❒ लखनऊ
❒ वर्ष: 22
❒ अंक : 232

RNI.NO. UPHIN/2004/13730

Email: prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

❒ प्रातः कालीन संस्करण ❒ गुरुवार, 09 अप्रैल 2026 ❒ पृष्ठ : 08 ❒ मूल्य : 2 रुपया

आर्थिक और उन्नत परमाणु शक्ति बने भारत 04 | अल्लू अर्जुन ने अपनी फिल्म 'राका' का टाइटल जारी किया 08

संक्षिप्त खबरें

राणा अय्यूब की 'एक्स' पर की गईं पोस्ट आपत्तिजनक, भड़काऊ एवं सांप्रदायिक

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पत्रकार राणा अय्यूब की 'एक्स' पर की गई कुछ पोस्ट को बुधवार को बेहद आपत्तिजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक बताया तथा इन्हें हटाने संबंधी याचिका पर उनसे जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव एक वकील की उस याचिका की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें आरोप लगाया गया है कि अय्यूब की पोस्ट से हिंदू देवी-देवताओं और सम्मानित ऐतिहासिक हस्तियों का अपमान हुआ है। न्यायाधीश ने कहा कि इन पोस्ट के संबंध में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का भी निर्देश दिया गया है। अदालत ने केंद्र, दिल्ली पुलिस और 'एक्स' को मिलकर काम करने और 24 घंटे में आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

एनसीईआरटी ने पाठ्यक्रम समिति में बदलाव किया

नयी दिल्ली। कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में ''न्यायपालिका में भ्रष्टाचार'' से संबंधित एक खंड को लेकर उच्चतम न्यायालय की फटकार के बाद राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपनी पाठ्यक्रम समिति का पुनर्गठन किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एनसीईआरटी की उच्च स्तरीय 20-सदस्यीय राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और पठन-पाठन सामग्री समिति (एनएसटीसी) में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक वी कामकोटी; भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष रघुवेन्द्र तंवर; 'नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी' के पूर्व कुलपति आर वेंकट राव और केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, एनसीईआरटी के संयुक्त निदेशक-प्रभारी अमरेन्द्र प्रसाद बेहेरा शामिल हैं। पहले इस समिति में 22 सदस्य थे।

मुद्रा योजना ने उद्यमशीलता की भावना को मज़बूत किया : मोदी

नई दिल्ली। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की मकसद से लाई गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने 11 साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस योजना की सफलता बताती है कि सही अवसर मिलने पर व्यक्ति न सिर्फ आत्मनिर्भर बन सकता है, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी योगदान दे सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, ल्लप्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने बीते 11 वर्षों में बिना गारंटी ऋण देकर छोटे उद्यमियों, महिलाओं और हुनरमंद हाथों को आत्मनिर्भरता का भरोसा दिया। आज यही योजना छोटे कारोबार, नए अवसर और मजबूत भारत की पहचान बन चुकी है। आज से ठीक 11 वर्ष पहले शुरू की गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना युवाओं के स्वरोजगार में बहुत मददगार साबित हुई है।

अमेरिका-ईरान के बीच दो सप्ताह का सीजफायर

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के साथ शुरू हुआ अमेरिका-ईरान संघर्ष 40 दिन के बाद संघर्ष-विराम पर पहुंच गया है।

इजरायल ने भी ईरान के साथ संघर्षविराम पर सहमति जताई है, लेकिन इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने यह भी कहा है कि वह लेबनान में अपना सैन्य अभियान जारी रखेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन के समयानुसार शाम 06:32 बजे (भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के 4:02 बजे) अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि वह ईरान पर नियोजित सैन्य हमलों को दो सप्ताह की अवधि के लिए स्थगित कर देंगे। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने भी कुछ घंटे बाद संघर्षविराम की पुष्टि करते हुए कहा कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करेगा। संघर्षविराम की मध्यस्थता की पहल करने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने भी दो सप्ताह के संघर्षविराम की पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान 10 अप्रैल से इसे अंतिम रूप देने के लिए शांति वार्ता करेंगे। श्री ट्रंप ने कहा कि प्रस्तावित सैन्य हमलों को दो सप्ताह के लिए स्थगित किया जा रहा है ताकि वार्ता आगे बढ़ सके। उन्होंने यह भी कहा कि यह ''दोनों पक्षों का संघर्षविराम'' होगा और अमेरिका अपने सैन्य उद्देश्यों को पहले ही हासिल कर चुका है। श्री ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, ''पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ हुई बातचीत के आधार पर और इस शर्त पर कि इस्लामिक गणराज्य ईरान 'होर्मुज़ जलडमरूमध्य' को पूरी तरह, तत्काल और सुरक्षित रूप से खोलने पर सहमत हो जाए, मैं दो सप्ताह की अवधि के लिए ईरान पर बमबारी और हमले को स्थगित करने पर सहमत हूं। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर के साथ बातचीत के बाद लिया गया, जिन्होंने संयम बरतने की अपील की थी। श्री ट्रंप ने कहा कि संघर्षविराम इस शेष पेज 02 पर

10 अप्रैल से स्थायी शांति पर इस्लामाबाद में वार्ता

भारत ने स्थाई शांति की उम्मीद जताई

नयी दिल्ली। भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच हुये युद्धविराम का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे पश्चिम एशिया में स्थाई शांति स्थापित होगी। उधर भारत ने ईरान में रह रहे अपने नागरिकों से दूतावास द्वारा सुझाए गए मार्गों का उपयोग करते हुए जल्द से जल्द देश से बाहर निकालने की अपील की है। मंत्रालय ने कहा हम संघर्ष विराम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। जैसा कि हम पहले भी लगातार कहते रहे हैं, तनाव में कमी, संवाद और कूटनीति ही संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए आवश्यक हैं। इस संघर्ष ने पहले ही लोगों को अत्यधिक कष्ट पहुँचाया है और वैश्विक ऊर्ज़ा आपूर्ति तथा व्यापारिक नेटवर्क को बाधित किया है। हमें उम्मीद है कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से नौवहन की निर्बाध स्वतंत्रता और वैश्विक व्यापार का प्रवाह बना रहेगा। दूतावास ने परामर्श में कहा है, सात अप्रैल की सलाह के क्रम में और हाल के घटनाक्रमों के मद्देनज़र, ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को दृढ़तापूर्वक सलाह दी जाती है कि वे दूतावास के साथ समन्वय करके और दूतावास द्वारा सुझाए गए मार्गों का उपयोग करते हुए यथाशीघ्र ईरान से बाहर निकल जाएँ। दूतावास ने परामर्श में स्पष्ट किया है कि किसी भी भारतीय नागरिक को दूतावास के साथ परामर्श और समन्वय के बिना किसी अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

जनरल द्विवेदी ने 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर में भरी उड़ान

नयी दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के प्रमुख स्तंभ बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का बुधवार को दौरा किया और स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर 'प्रचंड' में उडान भरी।

सेना के अनुसार जनरल द्विवेदी ने स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमताओं और सेना की विमानन परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्नत लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव और हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड जैसे प्रमुख प्लेटफार्मों के साथ-साथ सेना के विमानन संसाधनों के उन्नयन, रखरखाव और उत्पादन तंत्र को प्रदर्शित किया गया, जो इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। इस दौरान सेना प्रमुख ने प्रचंड में उडान भरी जिससे उन्हें उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन और युद्ध क्षमता का शेष पेज 02 पर

रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर

एजेंसी

❒ पश्चिम एशिया संकट के कारण आर्थिक वृद्धि प्रभावित होने, महंगाई बढ़ने की आशंकाः आरबीआई

❒ वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहेगी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया संकट के कारण आर्थिक वृद्धि प्रभावित होने और खुदरा महंगाई बढ़ने की आशंका जाहिर करते हुए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार को समाप्त बैठक में नीतिगत दरों को स्थिर रखने तथा 'इंतजार करो और नजर रखो' की नीति अपनाने का फैसला किया।

एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का निर्णय किया। साथ ही अपना रुख तटस्थ बनाये रखा है। साथ ही स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट पांच प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट तथा बैंक रेट 5.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहेगी। वित्त वर्ष 2026-27 में और पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत के बाद हुई एमपीसी की पहली बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि वैश्विक चुनौतियों और उनके घरेलू असर को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में सात प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि ईंधन और अन्य कॉमोडिटी की बढ़ती कीमतों के कारण चालू वित्त वर्ष में उपभोक्ता मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर बढ़कर 4.6 प्रतिशत पर रहेगी। चारों तिमाहियों में इसके क्रमशः चार प्रतिशत, 4.4 प्रतिशत, 5.2 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। जोखिम इसके ऊपर की ओर बढ़ने का अधिक है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर नकारात्मक जोखिम बढ़ रहे हैं क्योंकि ईंधनों की कीमतों में तेज वृद्धि और विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में कमी के कारण मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है। पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न अनिश्चितता आर्थिक परिदृश्य पर दबाव डाल रही है। वित्तीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है, शेयर बाजारों में व्यापक गिरावट दर्ज की गयी है, और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ गये हैं। शेष पेज 02 पर

हरियाणा में अग्निवीरों को मिलेगा 20% आरक्षण

चंडीगढ़। हरियाणा मंत्रिमंडल ने बुधवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए राज्य की सरकारी नौकरियों में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देने को मंजूरी दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अग्निवीरों को अग्निवीर पॉलिसी, 2024 में संशोधन करते हुए फॉरेस्ट गार्ड, वार्डर और माइनिंग गार्ड जैसे पदों में मिलने वाले हॉरिजेंटल आरक्षण को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया है। सरकार का मानना है कि अग्निवीरों के पास सैन्य प्रशिक्षण, अनुशासन और फील्ड का अनुभव होता है, जिसका उपयोग सुरक्षा से जुड़े विभागों में बेहतर तरीके से किया जा सकता है। मंत्रिमंडल ने अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने के फैसले को मंजूरी दी है। अब न्यूनतम मजदूरी 11,257 से शेष पेज 02 पर

धर्म में अंधविश्वास क्या है, इसका फैसला करने का हमें अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

❒ सरकार का विरोध, न्यायिक विशेषज्ञता और धार्मिक विविधता पर सवाल

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट अब धर्म के भीतर अंधविश्वास की परिभाषा तय करने के अधिकार क्षेत्र पर विचार कर रहा है। बुधवार को एक नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है।

यह टिप्पणी केंद्र सरकार की उस दलील के जवाब में आई, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के। मेहता ने तर्क दिया कि यदि कोई प्रथा अंधविश्वास मानी भी जाती है, तो यह तय करना अदालत का काम नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत विधायिका का काम है कि वह सुधार कानून बनाए। उन्होंने कहा कि विधायिका किसी विशेष प्रथा को अंधविश्वास बताकर उसमें सुधार कर सकती है, जैसा कि जादू-टोना और अन्य ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं।

हालांकि, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने मेहता के इस तर्क को बहुत सरल बताते हुए कहा कि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र है कि कोई चीज अंधविश्वास है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद क्या होगा, यह विधायिका का काम है, लेकिन अदालत में यह नहीं कहा जा सकता कि विधायिका का निर्णय ही अंतिम होगा।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी तर्क दिया कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा केवल अंधविश्वास है, क्योंकि अदालत के पास ऐसी विद्वत्तापूर्ण क्षमता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा 'आप (न्यायाधीश) कानून के क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं।' मेहता ने यह भी कहा कि नागालैंड के लिए जो धार्मिक हो सकता है, वह किसी और के लिए अंधविश्वास हो सकता है, क्योंकि समाज अत्यंत विविध है।

इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि यदि जादू-टोना को धार्मिक प्रथा का हिस्सा माना जाए, तो क्या उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? उन्होंने मेहता से पूछा कि यदि अदालत के पास अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिका आती है कि जादू-टोना की एक धार्मिक प्रथा मौजूद है, और विधायिका खामोश है, तो क्या अदालत 'खाली क्षेत्र के सिद्धांत' का उपयोग करके स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसी प्रथा को प्रतिबंधित करने का निर्देश नहीं दे सकती? सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि न्यायिक समीक्षा की जा सकती है क्योंकि यह 'स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था' के अंतर्गत आता है, न कि इसलिए कि यह अंधविश्वास है।

किसानों के लिए खाद सब्सिडी 4,317 करोड़ रुपए बढ़ी

नयी दिल्ली। सरकार ने किसानों के लिए खरीफ मौसम में उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी में 4317 करोड़ रुपये की बढोतरी करते हुए 41,533 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में उर्वरक विभाग के इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्चिनी वैष्णव ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह सब्सिडी पैकेज खरीफ मौसम यानी एक अप्रैल से 30 सितम्बर तक के लिए फॉस्फ़ेटिक और पोटाशिक (पी एंड के) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों मे दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनुमानित बजटीय आवश्यकता लगभग 41,533.81 करोड़ रुपये होगी जो पिछले वर्ष के खरीफ मौसम की बजटीय आवश्यकता से लगभग 4,317 करोड़ रुपये अधिक है। खरीफ 2025 का बजट 37,216.15 करोड़ रुपये था। श्री वैष्णव ने कहा कि किसानों को सब्सिडी दरों पर उर्वरकों की उपलब्धता सस्ती, किफायती और उचित कीमतों पर सुनिश्चित की जाएगी। उर्वरकों और इनपुट की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के ताजा रुझानों को ध्यान में रखते हुए पी एंड के उर्वरकों पर सब्सिडी का युक्तिकरण किया जाएगा। डीएपी और एनपीकेएस ग्रेड सहित पी एंड के उर्वरकों पर सब्सिडी खरीफ मौसम के लिए स्वीकृत दरों के आधार पर प्रदान की जाएगी, ताकि किसानों को ये उर्वरक किफायती कीमतों पर सुचारु रूप से उपलब्ध हो सकें। सरकार उर्वरक निर्माताओं और आयातकों के माध्यम से डीएपी सहित पी एंड के उर्वरकों के 28 ग्रेड किसानों को शेष पेज 02 पर

दो दिन में पूरी हो जनगणना पहले चरण की तैयारी : मुख्य सचिव

प्रभात समय संवाददाता

❒ प्रदेश में 5.5 लाख प्रगणकों का डिजिटल डेटाबेस तैयार

लखनऊ। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दो दिनों में जनगणना-2027 के पहले चरण की तैयारियां पूरी कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना-2027 के प्रथम चरण में राज्य में मकान सूचीकरण तथा मकानों की गणना कार्य की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में आनलाइन जुड़े भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने भी दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि घनी शहरी, झुग्गी तथा उच्च गतिशील आबादी वाले क्षेत्रों में पूर्ण और सटीक गणना सुनिश्चित की जाए। प्रदेश में लगभग 5.5 लाख प्रगणकों तथा पर्यवेक्षकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उनके सत्यापित विवरण समेत अद्यतन डिजिटल डेटाबेस 10 अप्रैल तक तैयार कर लिया जाए। कहा कि सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को फील्ड तैनाती से पूर्व अनिवार्य, समग्र तथा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण 16 अप्रैल से सात मई के बीच पूरा कराया जाए। मकान सूचीकरण व गणना ब्लाकों का स्पष्ट सीमाओं के साथ सटीक तथा त्रुटिरहित निर्धारण सुनिश्चित किया जाए। तकनीकी सहायकों की भर्ती शीघ्र पूरी कर जियो टैगिंग और सीमांकन कार्य को मजबूत बनाया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि आगामी जनगणना में आम जनता के लिए स्व-गणना का प्रावधान किया गया है। सभी नागरिकों के लिए समावेशी व्यवस्था और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करते हुए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर स्व-गणना शेष पेज 02 पर

हर प्रभावित किसान व बटाईदार को त्वरित राहत, क्षतिपूर्ति में नहीं होगी देरी : मुख्यमंत्री योगी

हर किसान तक सहायता पहुंचाना प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। असमय बारिश, ओलावृष्टि तथा कुछ स्थानों पर आगजनी की घटनाओं से रबी फसलों को हुए नुकसान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बुधवार की सुबह इस संबंध में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विपरीत परिस्थिति में अन्नदाता का चिंतित होना स्वाभाविक है और राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ किसानों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रभावित किसान एवं बटाईदार के नुकसान का सटीक, निष्पक्ष एवं समयबद्ध आकलन कर तत्काल क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर राजस्व, कृषि एवं अन्य संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र सर्वेक्षण कर रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जाए, ताकि राहत वितरण में किसी प्रकार का विलंब न हो। उन्होंने बीमा कंपनियों के साथ सक्रिय समन्वय स्थापित कर फसल बीमा दावों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं किसानों से संपर्क कर उन्हें बीमा योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें, जिससे अधिकतम राहत उपलब्ध हो सके।

राजस्व विभाग को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आपदा राहत कोष से प्रत्येक जनपद को पर्याप्त धनराशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित किसानों को त्वरित एवं पारदर्शी ढंग से सहायता प्रदान की जाए। जहां आवश्यकता हो, वहां राहत शिविर स्थापित किए जाएं तथा मंडी समितियों के माध्यम से भी किसानों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

अग्निकांड की घटनाओं पर विशेष संवेदनशीलता बरतते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जनहानि एवं पशुहानि की स्थिति में 24 घंटे के भीतर राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, पात्र लाभार्थियों को कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत शीघ्र लाभान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देशित किया कि जिन परिवारों के घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी और इसके लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार इस आपदा की घड़ी में प्रत्येक किसान, कृषक परिवार एवं बटाईदार के साथ पूरी संवेदनशीलता, तत्परता एवं प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मंगलवार से ही मौसम खराब है। कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार की शाम को बूंदा-बांदी शुरू हुई थी। पूरी रात और सुबह भी हल्की बारिश हुई है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने चेताया है कि अगले 48 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में तेज बारिश हो सकती है।

कृषि को 'उत्पादन से समृद्धि की ओर' तक ले जाने का समयः योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 का शुभारंभ करते हुए कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए स्पष्ट और दूरदर्शी रोडमैप प्रस्तुत किया। योगी ने कहा कि अब समय आ गया है कि कृषि को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर उसे उत्पादकता, लाभप्रदाता और अंततः समृद्धि तक ले जाया जाए। उन्होंने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी, जब देश का अन्नदाता समृद्ध होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीईएल के अध्यक्ष को सौंपा भूमि आवंटन पत्र

चित्रकूट डिफेंस नोड में बीईएल को दी गई 75 हेक्टयर भूमि

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के चित्रकूट नोड में 75 हेक्टेयर भूमि का आवंटन पत्र भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज जैन को सौंपा। यह पहल चित्रकूट डिफेंस नोड के व्यवस्थित एवं चरणबद्ध विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण संस्थागत कदम माना जा रहा है, जो प्रदेश में रक्षा विनिर्माण अवसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगिक आधार के विस्तार को नई गति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल उत्तर प्रदेश को रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में एक सशक्त और विश्वसनीय पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगी। मध्य भारत में रणनीतिक रूप से स्थित चित्रकूट नोड अपनी उत्कृष्ट लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी और भौगोलिक अनुकूलता के कारण रक्षा उत्पादन के लिए एक उभरता हुआ केंद्र बन रहा है, जो आने वाले समय में निवेश, रोजगार सृजन और उच्च-प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार सिद्ध होगा। योगी ने कहा कि इस परियोजना के अंतर्गत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा लगभग 562.5 करोड़ रुपये का निवेश करते हुए अत्याधुनिक राडार एवं वायु रक्षा प्रणालियों के निर्माण हेतु एक उन्नत विनिर्माण इकाई स्थापित की जाएगी। यह पहल न केवल रक्षा क्षेत्र में उच्च-प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादन को सुदृढ़ करेगी, बल्कि प्रदेश में औद्योगिक दक्षता और तकनीकी क्षमताओं के विस्तार को भी नई दिशा देगी। इसके परिणामस्वरूप 300 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है, जबकि सहायक एवं संबद्ध क्षेत्रों में अप्रत्यक्ष रूप से व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन से स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट में इस उच्च-प्रौद्योगिकी इकाई की स्थापना से स्थानीय युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे रोजगार के लिए अन्य क्षेत्रों में पलायन करने की आवश्यकता में उल्लेखनीय कमी आएगी। यह परियोजना न केवल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन के विकास, अनुसंधान और नवाचार को भी संस्थागत रूप से प्रोत्साहित करेगी, जिससे प्रदेश में आधुनिक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण को बल मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को ठोस आधार प्रदान करते हुए रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन क्षमता को निर्णायक रूप से सुदृढ़ करेगी। इसके माध्यम से आयात पर निर्भरता में कमी आएगी और देश में एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं एकीकृत रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण संभव होगा। साथ ही, इस परियोजना से सहायक एवं एमएसएमई आधारित उद्योगों के विकास को गति मिलेगी तथा उन्नत तकनीकी सहयोग, नवाचार और ज्ञान हस्तांतरण के नए अवसर सृजित होंगे, जो प्रदेश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि चित्रकूट, जो अब तक अपनी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के लिए विख्यात रहा है, अब रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में भी एक नई और सशक्त पहचान स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। यहां प्रस्तावित यह उन्नत औद्योगिक इकाई न केवल क्षेत्रीय विकास को नई गति देगी, बल्कि प्रदेश के संतुलित, समावेशी और बहुआयामी विकास के संकल्प को ठोस रूप में साकार करने का कार्य करेगी, जिससे पारंपरिक विरासत और आधुनिक औद्योगिक प्रगति के बीच एक सशक्त समन्वय स्थापित होगा।

जेम पोर्टल पर खरीद में यूपी अव्वल, 22,337 करोड़ की खरीद

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जेम पोर्टल के माध्यम से किए जा रहे शासकीय क्रय कार्यों की समीक्षा करते हुए इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि जेम क्रय नीति-2024 के लागू होने से प्रदेश में पारदर्शिता, शुचिता, समावेशिता और कार्यों की गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

समीक्षा बैठक में बताया गया कि भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश की जेम क्रय नीति को आदर्श नीति के रूप में सराहा है और अन्य राज्यों को भी इसी तरह की व्यवस्था लागू करने की सलाह दी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जेम पोर्टल के माध्यम से उत्तर प्रदेश ने 22,337 करोड़ रुपये की खरीद कर देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने इसे पारदर्शी और जवाबदेह शासन का प्रमाण बताया। अधिकारियों ने अवगत कराया कि जेम पोर्टल की रिवर्स ऑक्शन प्रणाली के जरिए प्रदेश सरकार को 9700 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। वहीं सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों (एमएसएमई) की भागीदारी 43 प्रतिशत से बढ़कर 55 प्रतिशत हो गई है, जिसमें 82 प्रतिशत योगदान प्रदेश के उद्यमों का है। इसके अलावा महिला उद्यमियों के व्यवसाय में 44 प्रतिशत, एससी-एसटी उद्यमियों में 48 प्रतिशत और स्टार्टअप उद्यमियों के कारोबार में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पारदर्शी प्रक्रिया के चलते शासकीय खरीद में शिकायतों में भी 80 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। बेहतर जेम प्रणाली के परिणामस्वरूप प्रदेश के विक्रेताओं को कुल 42,648 करोड़ रुपये का व्यवसाय प्राप्त हुआ, जिसमें 15,617 करोड़ रुपये का कारोबार उत्तर प्रदेश से तथा 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार केंद्र सरकार व अन्य राज्यों से मिला। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी विभाग जेम पोर्टल के माध्यम से खरीद को और प्रभावी बनाएं। साथ ही जेम पोर्टल को कोषागार से जोड़ने तथा पद आधारित स्थायी क्रय समिति के गठन के निर्देश भी दिए।

यूपी में पांच आईएएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पांच अधिकारियों के तबादले किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, गुंजन द्विवेदी को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का मिशन निदेशक बनाया गया है। वहीं रत्नेश सिंह को प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, लखनऊ का अपर निदेशक नियुक्त किया गया है। अशोक कुमार को सिंचाई, जल संसाधन और कारागार विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा गिरिजेश कुमार त्यागी को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, (यूपीपीएससी) प्रयागराज का सचिव बनाया गया है। अनीता वर्मा सिंह को उच्च शिक्षा विभाग के साथ-साथ लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार के इस फैसले को प्रशासनिक कार्यप्रणाली में तेजी और बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

बंकिम चंद्र की रचनाएं देशवासियों में जगाती हैं राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान-राष्ट्रीय चेतना की भावना : मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को अपने लखनऊ स्थित कैम्प कार्यालय पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिम चंद्र चटोपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं आज भी देशवासियों में राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना की भावना जगाती हैं। श्री मौर्ट ने श्री बंकिम चंद्र को महान साहित्यकार, उपन्यासकार और समाज सुधारक बताते हुए आधुनिक बंगला साहित्य का जनक बताया। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों को एकजुट करने का सशक्त माध्यम बना और आज भी हर भारतीय के हृदय में देशप्रेम की भावना को प्रज्ज्वलित करता है। उन्होंने बताया कि 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह गीत माँ भारती के प्रति अटूट प्रेम, बलिदान और आत्मसम्मान का प्रतीक है। साथ ही बंकिम चंद्र की प्रसिद्ध कृति 'आनंदमठ' ने भी राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का जीवन और उनका साहित्य आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

खाद्य सुरक्षा और नवाचार से समृद्ध होगा भारत: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को लखनऊ स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में 'खाद्य सुरक्षा' पर आयोजित इण्टरनेशनल कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कृषि और तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिष्ठित विशेषज्ञों और विद्वानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने पुस्तक का विमोचन किया। संस्थान द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को प्रमाण पत्र दिए गए। इस अवसर पर केशव प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत आज कृषि, नवाचार और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। भारत की नीतियां आज वैश्विक खाद्य सुरक्षा को दिशा दे रही हैं। नवाचार और किसानों की मेहनत के संगम से ही 'विकसित भारत' का संकल्प सिद्ध होगा। राज्य की 'डबल इंजन' सरकार में हमारे पारंपरिक उत्पादों और कृषि विविधीकरण को नया आयाम मिला है। यूपी के स्थानीय उत्पाद आज वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहे हैं। श्री मौर्य ने एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कांफ्रेंस की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षित और सुलभ खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक शोध और तकनीक का एकीकरण समय की मांग है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप, हम उत्तर प्रदेश को कृषि और खाद्य प्रसंस्करण का हब बनाने के लिए संकल्पित हैं। समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न देशों से आए डेलीगेट्स और कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी से निकले निष्कर्ष न केवल प्रदेश बल्कि वैश्विक खाद्य चुनौतियों के समाधान में मील का पत्थर साबित होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षाविद और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

10 पवित्र नदियों के नाम पर बसेंगी टाउनशिप

सांस्कृतिक पुनरुद्धार के साथ 'ग्रेटर आगरा' का नवनिर्माण

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की ताज नगरी आगरा अब अपने ऐतिहासिक वैभव के साथ आधुनिक शहरी विकास का नया अध्याय लिखने जा रही है। 'ग्रेटर आगरा' परियोजना के जरिए सांस्कृतिक पुनरुद्धार और अत्याधुनिक अवसरंचना के संगम का मॉडल तैयार किया जा रहा है, जो आने वाले समय में क्षेत्रीय विकास का बड़ा केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम रायपुर और रहनकलां में करीब 450 हेक्टेयर क्षेत्र में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को विकसित किया जा रहा है।

लगभग 5142 करोड़ रुपये की लागत वाली यह योजना आगरा को योजनाबद्ध, आधुनिक और बहुआयामी शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के अनुसार, ग्रेटर आगरा की सबसे बड़ी विशेषता इसका सांस्कृतिक दृष्टिकोण है। यहां विकसित होने वाली 10 टाउनशिप सिंधुपुरम, गोमतीपुरम, गंगापुरम, यमुनापुरम, बेतवापुरम, महानदीपुरम, नर्मदापुरम, गोदावरीपुरम, कृष्णापुरम और कावेरीपुरम देश की पवित्र नदियों के नाम पर बसाई जाएंगी। यह पहल भारतीय सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के साथ शहर को विशिष्ट पहचान प्रदान करेगी।

परियोजना के तहत लगभग 1.5 लाख लोगों के लिए आधुनिक आवासीय व्यवस्था विकसित की जाएगी। कुल 4712 भूखंडों में आवासीय, ग्रुप हाउसिंग, कमर्शियल और मिश्रित उपयोग के प्लॉट शामिल होंगे।

साथ ही स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक केंद्र, होटल, बैंक, डाकघर, पुलिस चौकी और दमकल केंद्र जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

ग्रेटर आगरा को स्मार्ट और सस्टेनेबल शहर के रूप में विकसित करने के लिए आधुनिक सड़क नेटवर्क, सीवेज और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन तथा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किए जाएंगे।

परियोजना की लोकेशन भी इसकी खासियत है। यह 100 मीटर चौड़ी इनर रिंग रोड के पास स्थित है और नेशनल हाईवे-19, फतेहाबाद रोड व यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ी है। कुबेरपुर रेलवे स्टेशन की नजदीकी इसे आवागमन और व्यापार के लिए और सुविधाजनक बनाती है।

हर टाउनशिप में कम से कम 15 प्रतिशत क्षेत्र हरित क्षेत्र के लिए आरक्षित रखा गया है। पार्क, ओपन स्पेस और खेल सुविधाओं के साथ पर्यावरण संतुलन और बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। योजना के तहत यमुनापुरम को वाणिज्यिक केंद्र और कावेरीपुरम को जल आधारित गतिविधियों एवं मनोरंजन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे पर्यटन गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी और आगरा की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

नैमिषारण्य धाम के विकास के लिए 14.09 करोड़ स्वीकृत, 'वेदारण्यम' थीम पर होगा विस्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने नैमिषारण्य धाम के विकास के लिए 14.09 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस परियोजना के तहत धाम को वेद आधारित थीम 'वेदारण्यम' के रूप में विकसित किया जाएगा। इस बाबत स्वीकृत राशि में से 7.04 करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी भी कर दी गई है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को बताया कि यह परियोजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। इसका उद्देश्य नैमिषारण्य धाम को आधुनिक सुविधाओं से युक्त करते हुए इसके धार्मिक और आध्यात्मिक स्वरूप को और भव्य बनाना है। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत 'वेद वन' की अवधारणा पर ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद के आधार पर अलग-अलग सेक्शन विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा पंचवृक्ष, आयुर्वेद, नक्षत्र और 'संसार' जैसे थीम आधारित क्षेत्र भी बनाए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए ऑडियो-गाइडेड ट्री ट्रेल की सुविधा भी विकसित की जाएगी, जिससे वे पेड़-पौधों के धार्मिक महत्व को समझ सकें। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत बुनियादी सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। इसमें शौचालय, टिकट काउंटर, सुरक्षा कक्ष, कैफ़ेटेरिया, पगोडा, कमल तालाब, तुलसी वृंदावन, आकर्षक मूर्तियां, प्रवेश द्वार, ओवरहेड जल टंकी, सौर स्ट्रीट लाइट, जल एटीएम और संकेतक बोर्ड जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति और धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने कहा कि सरकार इस परियोजना को समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भाजपा से मिला हुआ है चुनाव आयोग, वोट काटने की हो रही साजिश : अखिलेश

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि मतदाताओं के वोट काटने की साजिश रची जा रही है, जिससे लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा किया जा सके।

श्री यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि सपा के पीडीए प्रहरियों ने फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए वोट कटवाने के मामलों को पकड़ा, लेकिन चुनाव आयोग ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

उन्होंने बुधवार को कानपुर के एक दिवसीय दौरे के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर कानपुर के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कानपुर, इटावा और कन्नौज को क्लट्रेड ट्रायंगलक्ष्क के रूप में विकसित करने की योजना का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने ऐतिहासिक लाल इमली कारखाने को दोबारा शुरू कराने का भरोसा जताया और कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में कानपुर में मेट्रो, पनकी और घाटमपुर में बिजली परियोजनाएं तथा अमूल प्लांट जैसे कई औद्योगिक विकास कार्य किए गए थे।

श्री यादव ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, अवैध कारोबार और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं और महिलाएं तथा बेटियां खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने नदियों की सफाई को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बजट का दुरुपयोग हुआ, लेकिन जमीन पर कोई सुधार नहीं दिखा।

शिक्षा मित्रों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उनके साथ अन्याय किया है, जबकि सपा सरकार के दौरान उन्हें बेहतर मानदेय दिया जाता था। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार बनने पर शिक्षा मित्रों को न्याय और सम्मान मिलेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं पर भी सवाल उठाते हुए श्री यादव ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में गरीबों को न तो दवाइयां मिल रही हैं और न ही जांच की सुविधाएं। मजबूर होकर लोग निजी अस्पतालों में महंगा इलाज करा रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि सपा सरकार बनने पर गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता अब जागरूक हो चुकी है और आने वाले समय में बदलाव तय है।

बारिश के मौसम के पहले नालों से कचरा हटेगा, क्षतिग्रस्त सड़कों का पैच वर्क भी

महापौर अशोक तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल कार्यों की करेंगे खुद मानिटरिंग

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में मानसून के मौसम के पूर्व नगर निगम ने नालों की सफाई, उसमें से कचरा हटाने और इससे क्षतिग्रस्त सड़कों का पैच वर्क कार्य को प्राथमिकता दिया है। इन कार्यो की मानिटरिंग महापौर अशोक कुमार तिवारी व नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल स्वयं कर रहे हैं। बुधवार को महापौर व नगर आयुक्त ने संयुक्त रूप से अस्सी और सीर गोवर्धन क्षेत्र के विभिन्न वार्डों का स्थलीय निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था की हकीकत जांची। नगर आयुक्त ने इस दौरान अस्सी व सीर क्षेत्र के प्रमुख नालों से कचरा हटाने के निर्देश भी दिए। मौके पर ही महापौर व नगर आयुक्त ने क्षतिग्रस्त सड़कों के पैच वर्क और मरम्मत कार्य की भी समीक्षा की। महापौर ने नगवां और आसपास के क्षेत्रों में नालों की सफाई का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से दो टूक कहा कि मानसून आने से पहले सभी छोटे-बड़े नालों की सिल्ट पूरी तरह साफ कर ली जाए, ताकि बारिश के दौरान सड़कों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। इस दौरान उन्होंने जनता से क्षेत्र की साफ-सफाई, सड़कों की स्थिति और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। नागरिकों ने जल निकासी को लेकर कुछ सुझाव दिए, जिस पर महापौर ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। वहीं, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने विभागीय अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि निरीक्षण में पाई गई कमियों को अविलंब दूर कराने का निर्देश दिया। साथ ही लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। निरीक्षण के दौरान पार्षद अक्षवयर सिंह, सुरेश सिंह, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, मुख्य अभियंता आरके सिंह भी मौजूद रहे।

पेज एक का शेष...

अमेरिका-ईरान...

शर्त पर आधारित है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से खोलने पर सहमत होगा। उन्होंने कहा कि ईरान की ओर से मिले 10-सूत्री प्रस्ताव को वार्ता के लिए ''व्यावहारिक आधार'' माना गया है और अधिकांश मतभेदों को सुलझा लिया गया है। इस बीच, श्री अराघची ने पुष्टि की कि ईरान दो सप्ताह के युद्धविराम के लिए सहमत है और इस दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। श्री अराघची ने युद्धविराम में भूमिका निभाने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एक्स पर कहा, ''इस्लामिक गणराज्य ईरान की ओर से मैं अपने प्रिय भाइयों, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ और फील्ड मार्शल मुनीर के क्षेत्र में युद्ध समाप्त करने के अथक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त करता हूं। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा कि 10 अप्रैल से पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता शुरू होगी। परिषद ने यह भी स्पष्ट किया कि यह वार्ता युद्ध का अंत नहीं है और यदि किसी भी पक्ष की ओर से उल्लंघन हुआ तो ईरान कड़ा जवाब देगा। दूसरी ओर, श्री शरीफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''अत्यंत विनम्रता के साथ, मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इस्लामिक गणराज्य ईरान और अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ मिलकर लेबनान और अन्य स्थानों सहित हर जगह तत्काल संघर्षविराम के लिए सहमत हो गए हैं, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उन्होंने कहा, ''मैं इस विवेकपूर्ण कदम का हार्दिक स्वागत करता हूं और दोनों देशों के नेतृत्व के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

रेपो दर 5.25...

उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति अभी नियंत्रण में है और लक्ष्य से नीचे है, लेकिन ईंधन की कीमतों में वृद्धि और मौसम से संबंधित संभावित व्यवधानों के कारण भविष्य में महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। हालांकि खाद्य पदार्थों की कीमतें अभी स्थिर हैं, लेकिन भविष्य में अल नीनो जैसी परिस्थितियां जोखिम पैदा कर सकती हैं। उन्होंने कहा, ''ईंधन की बढ़ती कीमतें, परिवहन लागत और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान आर्थिक वृद्धि को कमजोर कर सकते हैं। सरकार ने निर्यात और आपूर्ति श्रृंखला को समर्थन देने के लिए कई कदम उठाये हैं, जिससे नकारात्मक प्रभाव कम हो सकता है। श्री मल्होत्रा ने इस बात पर जोर दिया कि देश की व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन पश्चिम एशिया संकट के कारण परिस्थितियां प्रतिकूल हो हैं। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था पहले की तुलना में इन जोखिमों से निपटने में कहीं अधिक सक्षम है। अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभावों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से आयातित वस्तुओं की मुद्रास्फीति बढ़ सकती है, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा से उत्पादन प्रभावित हो सकता है, वैश्विक अनिश्चितता से निवेश और खपत घट सकती है और वैश्विक विकास में कमी से निर्यात प्रभावित हो सकता है।

हरियाणा में अग्निवीरों ...

बढ़ाकर 15,220 रुपये प्रतिमाह कर दी जाएगी। यह बढ़ोतरी वर्ष 2026-27 से लागू होगी और इससे लाखों श्रमिकों को आर्थिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

जनरल द्विवेदी...

प्रत्यक्ष अनुभव मिला। यह उडान प्लेटफार्म की संचालनात्मक प्रभावशीलता और सामरिक युद्धक्षेत्र में निर्णायक हवाई शक्ति प्रदान करने की उसकी महत्वपूर्ण भूमिका की स्पष्ट पुष्टि के साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारतीय सेना की निरंतर पहल को भी मजबूत करती है। आधुनिक युद्धक्षेत्र में ड्रोन, लूटरिंग म्यूनिशन्स, मानवरहित हवाई प्रणालियों और ड्रोन रोधी प्रणाली की बढ़ती उपस्थिति ने युद्धक्षेत्र को भूमि से ऊपर निम्न-उच्चता वाले हवाई क्षेत्र तक विस्तारित कर दिया है। इसने एयर लिटोरल को विशेष संचालन केन्द्र में ला दिया है। हाल के संघर्षों ने यह दिखाया है कि इस क्षेत्र में प्रभुत्व सीधे जमीनी युद्धों की गति, सक्रिय बने रहने की क्षमता और परिणामों को प्रभावित करता है, जिससे सैन्य बलों द्वारा त्वरित, स्थानीय नियंत्रण और प्रतिक्रिया आवश्यक हो जाती है। इसी संदर्भ में प्रचंड का महत्व बढ़ जाता है। तेज, सटीक और सभी प्रकार की भौगोलिक परिस्थितियों में संचालन के लिए अनुकूल प्रचंड भारतीय सेना के लिए निचले-हवाई क्षेत्र में निर्णायक भूमिका में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

किसानों के लिए...

सब्सिडी दरों पर उपलब्ध करा रही है। पी एंड के उर्वरकों पर सब्सिडी अप्रैल 2010 से एनबीएस योजना के तहत संचालित है। किसान हितैषी दृष्टिकोण के अनुरूप, सरकार किसानों को किफायती कीमतों पर पी एंड के उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यूरिया, डीएपी, एमओपी और सल्फर जैसे उर्वरकों एवं इनपुट की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के ताजा रुझानों को देखते हुए, सरकार ने खरीफ 2026 के लिए फॉस्फ़ेटिक और पोटाशिक (पी एंड के) उर्वरकों, जिनमें डीएपी और एनपीकेएस ग्रेड शामिल हैं, पर एनबीएस दरों को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। सब्सिडी स्वीकृत एवं अधिसूचित दरों के अनुसार उर्वरक कंपनियों को प्रदान की जाएगी, ताकि किसानों को उर्वरक किफायती कीमतों पर उपलब्ध कराए जा सकें।

दो दिन में पूरी हो ...

को प्रोत्साहित किया जाए। उत्तर प्रदेश में स्व-गणना पोर्टल सात से 21 मई तक उपलब्ध रहेगा, जिस पर कोई भी नागरिक अपने परिवार की जानकारी स्वयं भर सकेगा। भारत के महारजिस्ट्रार व जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि जनगणना कार्य में अनेक अवरोध आ सकते हैं, लेकिन जिला जनगणना अधिकारी के रूप में एडीएम को देश के विकास में अपनी भूमिका को समझते हुए दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। जनगणना को जन-जन की भागीदारी से जोड़ा जाए तथा इसे एक जन-अभियान बनाया जाए ताकि सटीक आंकड़े प्राप्त हो सकें। उत्तर प्रदेश में जनगणना 2027 पूरी तरह डिजिटल होगी, जिसमें सभी डाटा संग्रहण, प्रविष्टि, सत्यापन और निगरानी डिजिटल प्लेटफार्मों पर होगी। 22 मई से होगी मकानों की गणनाबैठक में जनगणना निदेशक शीतल वर्मा ने बताया कि जनगणना-2027 के पहले चरण में मकानों की गणना 22 मई से 20 जून के मध्य और दूसरे चरण में नौ फरवरी 2027 से 28 फरवरी 2027 के मध्य होगी।

हमारे खिलाड़ी देश-दुनिया में कर रहे प्रदेश का नाम रोशन : ब्रजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री ने कैंट विधानसभा क्षेत्र में सांसद खेल महाकुंभ का किया शुभारम्भ

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को आरडीएसओ स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महाकुम्भ- 2026 का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारे खिलाड़ी देश-दुनिया में उत्तर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। सरकार भी खिलाड़ियों का पूरा ध्यान रख रही है। खेल बजट भी दोगुना कर दिया गया है। स्टेडियमों को अत्याधुनिक उपकरणों एवं सुविधाओं से लैस किया गया है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के युवा खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना रहे हैं। खेलों को लेकर पुरानी कहावतों को बदल रहे थे। अब युवा पढ़ते भी हैं और खेल कर भी नवाब बनते हैं। ब्रजेश पाठक ने बताया कि पढ़ाई के साथ अब खेल भी बहुत आवश्यक है। खेल न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि भविष्य भी उज्ज्वल बनाते हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकार भी प्रोत्साहित कर रही है। सरकारी नौकरियों में स्थान देने के अलावा अन्य माध्यमों से भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब सरकार द्वारा खेलों का बजट भी दोगुना से अधिक कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। ग्रामीण स्तर पर सरकार द्वारा खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह से आयोजन युवाओं में नई ऊर्जा का संचार करते हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि सांसद खेल महाकुंभ के माध्यम से लखनऊ संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा स्तर पर सीनियर एवं जूनियर (पुरुष-महिला) श्रेणी में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जा रही हैं। इसी कड़ी में कैंट विधानसभा क्षेत्र में आज इस महाकुंभ का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश संयोजक, वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ, भाजपा मान सिंह, पार्षद गिरीश मिश्रा, पार्षद नरेंद्र पाल, अपर नगर मजिस्ट्रेट ब्रजेश कुमार वर्मा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी शशांक सिंह, हरशरण लाल गुप्ता, लखविंदर पाल सिंह, सचिन वैश्य, मंडल अध्यक्ष महेंद्र राजपूत, सुमित गुप्ता, मनोज पाल, पवन लोधी, रणवीर सिंह कलसी, सुरेंद्र पासी एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

अंबेडकर जयंती को लेकर नगराम क्षेत्र में तैयारियां तेज

प्रभात समय संवाददाता

नगराम, लखनऊ । बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को लेकर नगराम थाना क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। ममई मऊ, भौंरा खुर्द, मितौली समेत कई गांवों में बैठकों का दौर जारी है। बुधवार को ममई मऊ गांव में आयोजित बैठक में जयंती को भव्य रूप से मनाने की रूपरेखा तय की गई।बैठक ग्राम प्रधान दीपक सिंह के नेतृत्व में हुई, जिसकी अध्यक्षता भाजपा विधायक अमरेश रावत के बेटे शुभम रावत ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि 14 अप्रैल की पूर्व संध्या पर मोहनलालगंज से भव्य बाइक रैली निकाली जाएगी, जो निगोहा, समेसी, नगराम, गंगागंज और गोसाईगंज होते हुए खुर्दही बाजार में संपन्न होगी। बैठक में लोगों ने सामाजिक एकता और संविधान सम्मान के साथ अंबेडकर जयंती मनाने का संकल्प लिया। इस दौरान भौरा प्रधान दिग्विजय चौरसिया, रामलाल रावत, धर्मेश कुमार, रामप्रताप धीमान, इंदल रावत, शोभित रावत, सुभाष कुमार, राधेलाल, अर्जुन सिंह, लालबहादुर समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

ज्वैलर्स लूट कांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

❐ पार्किंग विवाद बना वारदात की वजह, लाइसेंसी रिवाल्वर, कारतूस व मोबाइल बरामद

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने क्षेत्र में हुई ज्वैलर्स से लूट और मारपीट की सनसनीखेज वारदात का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई लाइसेंसी रिवाल्वर, जिंदा कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किया है, जबकि घटना में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीजीआई थाना क्षेत्र के तेलीबाग निवासी ज्वैलर्स हेमन्त सोनी अपने बड़े भाई शंकर सोनी के साथ सोमवार रात मोहनलालगंज स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब दोनों भाई रात करीब 10:30 बजे वापस लौट रहे थे, तभी होटल परिसर में पार्किंग को लेकर कुछ युवकों से कहासुनी हो गई।बताया जाता है कि उस समय मामला शांत हो गया और आरोपी मौके से चले गए, लेकिन उन्होंने रंजिश पाल ली।कुछ देर बाद आरोपी दोबारा कार से लौटे और फुलवरिया मोड़ के पास दोनों भाइयों को रोक लिया। आरोप है कि हमलावरों ने डंडों से दोनों की जमकर पिटाई की, जिससे वे घायल हो गए। इसके बाद बदमाशों ने हेमन्त सोनी की लाइसेंसी 32 बोर रिवाल्वर, मोबाइल फोन और सोने की चेन लूट ली और मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पीड़ित की तहरीर पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो विशेष टीमों का गठन किया।जांच के दौरान पुलिस ने करीब सौ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और आरोपियों की पहचान कर उनकी लोकेशन ट्रेस की।

पुलिस के खास मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बीते मंगलवार की देर रात हुलासखेड़ा नहर के पास से रवि सिंह उर्फ विक्की और आर्यन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से लूटी गई 32 बोर लाइसेंसी रिवाल्वर और जिंदा कारतूस बरामद किए गए।इसके बाद बुधवार तड़के पुलिस ने तीसरे आरोपी विशेष त्रिवेदी उर्फ राज पंडित को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसके पास से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद हुआ।पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। वहीं, फरार चल रहे दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।इस वारदात के बाद इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। एसीपी विकास पाण्डेय का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर पूरे मामले का पूर्ण खुलासा कर दिया जाएगा।

बेरहमी से 22 वर्षीय मजदूर का कत्ल

नशे में विवाद बना हत्या की वजह, साथी गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र के नदौली गांव निवासी 22 वर्षीय मजदूर रैकिश रावत की बेरहमी से हत्या के मामले में बुधवार को बड़ा खुलासा होने के साथ ही जनाक्रोश भी फूट पड़ा। एक ओर पुलिस ने हत्या के आरोप में उसके साथी मजदूर धर्मराज उर्फ टाटू को हिरासत में लिया है, वहीं दूसरी ओर आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने निगोहां थाने का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि नशे की हालत में हुए विवाद के बाद रैकिश की पीट-पीटकर हत्या की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर छह से अधिक गंभीर चोटों की पुष्टि हुई है, जिससे हत्या की बात साफ हो गई है।

पुलिस के मुताबिक मृतक रैकिश सोमवार सुबह गांव के ही धर्मराज उर्फ टाटू और मिस्त्री नंदकिशोर के साथ मजदूरी के लिए लखनऊ गया था। देर रात तक घर न

❐ रैकिश रावत की मौत से परिजनों में आक्रोश, थाने का किया घेराव

लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। मंगलवार सुबह बाबूखेड़ा मार्ग स्थित गैस गोदाम के पास झाड़ियों में उसका खून से लथपथ शव बरामद हुआ। मौके से मोबाइल, टिफिन और चप्पलें गायब थीं, जिससे शुरुआत में लूटपाट के बाद हत्या की आशंका जताई गई थी।घटना से गुस्साए परिजन और ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली से निगोहां थाने पहुंच गए और घेराव कर हंगामा किया। भीड़ की मांग थी कि हत्यारों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए। कुछ लोगों ने आरोपी को उनके हवाले करने की भी मांग उठाई। स्थिति को देखते हुए थाने पर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।प्रदर्शन के दौरान मृतक के भाई लवकुश का दर्द छलक पड़ा। उसने रोते हुए कहा, ॖमेरा भाई तो सिर्फ मजदूरी करने गया था, उसका क्या कसूर था?ॗ ग्रामीणों ने भी बताया कि रैकिश का किसी से कोई विवाद नहीं था और वह सरल स्वभाव का युवक था।मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी अनुज तिवारी ने हालात संभालते हुए परिजनों को भरोसा दिलाया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा घटना बेहद गंभीर है। हर एंगल से जांच की जा रही है। संदिग्धों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।वहीं एसीपी मोहनलालगंज विकास पाण्डेय ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर आरोपी धर्मराज उर्फ टाटू के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उससे पूछताछ में अहम सुराग मिले हैं।थाना प्रभारी के आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत तो हो गए, लेकिन क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और पुलिस हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

स्कूल चलो अभियान में इटौंजा से नामांकन रथ रवाना

लखनऊ। विकासखंड बक्शी का तालाब नवीन शैक्षिक सत्र 2026-27 के प्रथम चरण के स्कूल चलो अभियान में बुधवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र इटौंजा से नामांकन रथ रवाना किया गया। ब्लॉक संसाधन केंद्र में मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष इटौंजा अवधेश कुमार अवस्थी, खंड शिक्षा अधिकारी रामराज सैकड़ों शिक्षकों की उपस्थिति में नामांकन रथ रवाना किया गया। बीईओ रामराज ने कहा विकासखंड के प्रत्येक 17 न्याय पंचायत के 269 विद्यालयों तक नामांकन रथ पहुंचाया जाएगा, जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं के विषय में बताया जाएगा। इटौंजा से नामांकन रथ चलते हुए विभिन्न विद्यालयों कन्या इटौंजा, महोना, असनहा, भिखारीपुर, परसहिया, चतरपुर, शुक्लन पुरवा, कुम्हरावा, भड़सर, अतरौरा होते हुए बेसिक विद्यालय पहाड़पुर में एक सभा के साथ यात्रा पूर्ण हुई। चेयरमैन अवधेश कुमार अवस्थी ने पंचायत के सभी सभासदों से नामांकन में सहयोग करने हेतु आवाहन किया। आज की नामांकन रैली में विकासखंड के समस्त शिक्षक संकुल, समस्त शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी, एआरपी क्षमा तिवारी, कुमकुम तिवारी, अनुपम कुमार गुप्ता, वंदना श्रीवास्तव, अनुराग सिंह राठौड़, आशुतोष मिश्रा, ज्ञानेंद्र शंकर त्रिपाठी, नंदनी राठौड़,मनोज कनौजिया, सुरेश जयसवाल, विनीत सिंह पंकज तिवारी, निष्ठा मिश्रा, प्रभास बाजपेई, निशांत बाजपेई, दीपक मिश्रा, पंकज मिश्रा , कौशलेंद्र सिंह सहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे। अनुराग सिंह राठौड़ ने बताया कल नामांकन रथ न्याय पंचायत भैंसमऊ के समस्त विद्यालयों में भ्रमण करेगा।

राजकीय पॉलीटेक्निक के छात्रों ने सीखा पुस्तकालय प्रबंधन

लखनऊ। राजकीय पॉलीटेक्निक, लखनऊ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को ऐतिहासिक आमीरुद्दौला पब्लिक लाइब्रेरी का शैक्षिक भ्रमण कर पुस्तकालय प्रबंधन की बारीकियों को नजदीक से समझा। यह भ्रमण राजकीय पॉलीटेक्निक में विभागाध्यक्ष निशा यादव, डॉ. नीरज कुमार व्याख्याता, पत्रकारिता एवं जनसंचार एवं आमीरुद्दौला पब्लिक लाइब्रेरी की पुस्तकालयाध्यक्ष सुप्रिया शर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों को पुस्तकालय के सुव्यवस्थित संचालन, पुस्तक वर्गीकरण, डिजिटलीकरण, संरक्षण तकनीकों एवं सूचना प्रबंधन की प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान फैकल्टी सुप्रिया सिंह एवं डॉ. रश्मि वर्मा ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और पुस्तकालय विज्ञान के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। छात्रों के लिए सबसे आकर्षक क्षण वह रहा जब उन्होंने पुस्तकालय में सुरक्षित हस्तलिखित प्राचीन पांडुलिपियों का अवलोकन किया। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों ने लाइब्रेरी के बाल अनुभाग का भी अवलोकन किया, जहां बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक एवं रोचक संसाधनों की विशेष व्यवस्था की गई है। यह शैक्षिक भ्रमण छात्रों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक साबित हुआ, जिससे उन्हें अपने विषय की व्यावहारिक समझ विकसित करने का अवसर मिला।

एआई के प्रयोग से आफिस का कार्य आसानी व सटीकता से संभव

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में मंगलवार को माननीय कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय के निर्देशन में साधना सप्ताह के तहत बुधवार को यूज ऑफ एआई इन वर्कप्लेस विषय पर विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से आयोजित इस व्याख्यान की अध्यक्षता कुलसचिव रीना सिंह ने किया। इस दौरान सादिका कौसर ने ऑफिस में कार्य करने के दौरान एआई के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि विभिन्न एआई टूल्स के जरिये ऑफिस के काम को कम समय में प्रभावी रूप से किया जा सकता है। इस नई तकनीकी का प्रयोग कर कम समय में गुणवत्तापूर्ण उत्पादकता मिलती है। रिपोर्ट, पीपीटी सहित अन्य कार्य बड़े ही आसानी से किया जा सकता है। कहा कि सबसे महत्वपूर्ण है एआई को सही और सटीक निर्देश देना। उचित निर्देश मिलने पर यह सामग्री को काफी आसान बना देती है। इस दौरान राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक सहित फैकल्टी और कर्मचारी जुड़े थे।

चयनित 15 छात्राओं को मिली 6 माह की एशर इंटर्नशिप

लखनऊ। महामाया राजकीय महाविद्यालय महोना लखनऊ मे 23 फरवरी से इवोलको सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के सौजन्य से विद्यार्थियों मे कौशल विकास हेतु टेलीमेडिसिन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। बुधवार 8 अप्रैल को टेलीमेडिसिन प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा उसका मूल्यांकन पूर्ण होने के पश्चात चयनित 15 छात्राओं को 6 माह की एशर इंटर्नशिप प्रदान की गई। टेलीमीडिसिन सेवायें द्वारा मूल स्वास्थ्य चेकअप पर केंद्रित इस इंटर्नशिप का ऑफर लेटर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो शहला नुसरत किदवई द्वारा चयनित छात्राओं को प्रदान किया गया।

विकास खंड कार्यालय का कार्य केबिल की खराबी से तीन दिन से ठप

माल, लखनऊ । विकास खंड कार्यालय का गत रविवार को विद्युत केबिल फुंक जाने से काम काज ठप पड़ा है। जिससे ऑफिशियल और आम जनता के कार्य नहीं हो पा रहे हैं। लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि माल विकासखंड कार्यालय में विद्युत कनेक्शन के लिए जो मोटा केबिल लगा है, वह गत रविवार को कहीं क्षति ग्रस्त हो गया था। जब सोमवार को कार्यालय खुला और दफ्तर में लाइट नहीं थी तो अनुमान लगाया गया कि विद्युत विभाग द्वारा सूचना प्रसारित की गयी थी कि क्षेत्र में तारों पर लटक रही डालियों की छटाई कटाई की वजह से विद्युत सप्लाई प्रातः11बजे से अपराह्न तीन बजे तक बंद रहेगी। जिससे किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया। जब मंगलवार को कार्यालय समय से खुला तब भी बिजली सप्लाई बाधित थी और बुधवार को भी बिजली बाधित रही जिससे कार्यालय का कोई काम काज नहीं हो सका।

मोहसिना किदवई जी का निधन एक युग का अंत: अजय

❐ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय लखनऊ में शोकसभा आयोजित

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रही मोहसिना किदवई के निधन पर बुधवार को प्रदेश कंाग्रेस कार्यालय, लखनऊ में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कंाग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्व. मोहसिना किदवई जी को पुष्पाजंलि अर्पित की। मोहसिना किदवई जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत प्रदेश कंाग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि मोहसिना किदवई जी का राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन अत्यंत प्रेरणादायी रहा है। उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में ही नेहरू भवन कंाग्रेस का अपना कार्यालय बन पाया और उसके उपरांत अभी कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पॉवर ऑफ अटर्नी पर हस्ताक्षर करके नेहरू भवन को अध्यक्ष उप्र कंाग्रेस कमेटी के नाम करने का मार्ग प्रशस्त किया। इस तरह जाते-जाते भी वह पार्टी का एक बड़ा काम कर गई। राय ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में हमेशा जनसेवा और कंाग्रेस पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने का कार्य किया। उनका निधन कंाग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके योगदान को सदैव स्मरण रखा जाएगा और उनका आदर्श हम सभी के लिए मार्गदर्शक बना रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, अखिलेश प्रताप सिंह, पप्पू चौधरी, निवर्तमान प्रदेश कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, पूर्व मंत्री डॉ सीपी राय, जिला कंाग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह, शहर कंाग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, डॉ उमा शंकर पाण्डेय, सचिन रावत, डॉ अमित राय, वरिष्ठ कंाग्रेस नेता वीरेन्द्र मदान, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, ओंकारनाथ सिंह, अनुसुईया शर्मा, डॉ लालती देवी, रमेश मिश्रा, सिद्धिश्री, विकास श्रीवास्तव, बृजेन्द्र सिंह, प्रमोद सिंह, डॉ जियाराम वर्मा, उबैद नासिर, रेहान गनी, हम्माम वहीद, सुबोध श्रीवास्तव, पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, योगेश्वर सिंह, श्यामजी, मारूफ खान, डॉ रिचा शर्मा, विनोद मिश्रा, आरपी सिंह, साबरा खातून आदि शोक सभा उपस्थित कंाग्रेसजनों ने स्व. मोहसिना किदवई जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

गद्दी गैंग के सक्रिय सदस्य गिरफ्तार, तमंचा व कारतूस बरामद

लखनऊ (एनडीएस संवाददाता)। दुबग्गा पुलिस ने मंगलवार को गद्दी गैंग के एक सक्रिय सदस्य को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर दुबग्गा श्रीकांत राय के अनुसार क्षेत्र में अपराध रोकथाम और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे लाइन किनारे कल्लन खेड़ा से शाहपुर भमरौली जाने वाले सुनसान मार्ग पर एक युवक अवैध हथियार के साथ किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और युवक को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा .315 बोर और दो जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी की पहचान मोहम्मद साहिल (19) निवासी बिस्मिल्लाह ट्रेडर्स के पास, शाहपुर भमरौली थाना दुबग्गा, लखनऊ के रूप में हुई।

68 मेधावियों को किया गया पुरस्कृत

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज में बुधवार को वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह भव्य रूप से रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर वर्ष पर्यंत विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक प्रो बी एल शर्मा कार्यक्रम अध्यक्ष राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता सिंह द्वारा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुल 68 मेधावियों को पुरस्कृत किया गया। सर्वप्रथम विभिन्न संकायों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं कला में आस्था शुक्ला विज्ञान में नैन्सी त्रिपाठी एवं कश्मीरा तथा वाणिज्य संकाय हेतु शेजल को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। परास्नातक इतिहास, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, गृहविज्ञान तथा जंतु विज्ञान हेतु क्रमशः आकृति रत्नम, कृष्णा यादव, ख़ुशी श्रीवास्तव, आकांक्षा सिंह और सरिता यादव ने मेडल पर कब्जा किया।

इसी प्रकार बेस्ट कैडेट, बेस्ट स्वयं सेवी, बेस्ट रेंजर सर्वश्रेष्ठ परिषद की छात्रा खो खो तथा रस्साकसी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करने वाली छात्राओं को भी मेडल मिले। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना तथा महाविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। प्राचार्य प्रोफ़ेसर रश्मि बिश्नोई ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। अपनी आख्या में प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन सभी क्षेत्रों में कर रहीं हैं। डॉ भास्कर शर्मा ने मुख्य अतिथि का परम्परागत पगड़ी पहना कर स्वागत किया तथा बेटियों पर आधारित अपनी प्रसिद्ध कविता का पाठ किया। कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभाग की प्रोफ़ेसर विनीता लाल की पुस्तक सोशियोलॉजी ऑफ़ जेंडर की कॉन्सेप्ट्स एंड थ्योरीज़ तथा अंग्रेज़ी विभाग की प्रोफ़ेसर शालिनी श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक अ हैंडबुक ऑफ़ इंडियन इंग्लिश लिटरेचर जो एन ई पी 2020 के मानदंडों को दृष्टिगत करते हुए लिखी गई है का विमोचन भी मुख्य अतिथि द्वारा किया गया साथ महाविद्यालय के न्यूज़ लेटर वार्षिक स्मृति पत्रक तथा अर्थशास्त्र विभाग के गत पाँच वर्षों की गतिविधियों पर आधारित पुस्तक इको पल्स का भी लोकार्पण अतिथियों द्वारा सम्पन्न हुआ। ये पुस्तक प्रोफ़ेसर पूनम वर्मा तथा डॉ कुणाल दीक्षित द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई है।

उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. बीएल शर्मा ने किया निरीक्षण

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। जहाँ एक ओर सरकार द्वारा बेहतर शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार ही इस मुहिम को कमजोर करने में लगे हैं। इसका ताजा उदाहरण बुधवार को उस समय देखने को मिला, जब शिक्षा निदेशक (उच्च शिक्षा) प्रो. डॉ. बी.एल. शर्मा ने राजकीय महाविद्यालय, लतीफनगर (सरोजनीनगर) का औचक निरीक्षण किया।

बुधवार सुबह करीब 10:25 बजे किए गए इस निरीक्षण में महाविद्यालय की कार्यप्रणाली में गंभीर लापरवाही उजागर हुई। निरीक्षण के समय संस्थान में केवल डॉ. ममता मधुर (असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, वाणिज्य) और तीन आउटसोर्सिंग कर्मचारी ही उपस्थित पाए गए। हैरानी की बात यह रही कि निर्धारित समय के बावजूद अन्य कोई शिक्षक या शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था। निरीक्षण के दौरान ही लगभग 10:50 बजे कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. सुधा तथा रसायन विज्ञान के प्रवक्ता डॉ. अमित कुमार यादव महाविद्यालय पहुंचे, जिससे समयपालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इसके अलावा दर्शनशास्त्र के डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, वाणिज्य के डॉ. पवन कुमार मौर्य, वनस्पति विज्ञान के डॉ. राघवेन्द्र प्रताप नारायण, इतिहास के डॉ. केशरी नन्दन मिश्रा, जन्तु विज्ञान के डॉ. राजेश यादव, मनोविज्ञान की डॉ. इरा फात्मा, अर्थशास्त्र की डॉ. सविता, संस्कृत की डॉ. वंदना, गणित की डॉ. शिल्पी सिंह सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी प्रधान सहायक वंदना सिंह एवं वरिष्ठ सहायक नंदिनी निर्धारित समय तक अनुपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि उपस्थिति पंजिका प्राचार्य कक्ष में उपलब्ध नहीं थी। कार्यवाहक प्राचार्य ने बताया कि पंजिका लिपिक के पास है, जबकि संबंधित लिपिक भी अनुपस्थित थीं।

युद्ध अब सिर्फ युद्ध नहीं रहे

कभी युद्ध का अर्थ सीधा था–दो सेनाएँ, दो सीमाएँ और बीच में धूल, धुआँ, बारूद। तलवारें टकराती थीं तो आवाज़ दूर तक जाती थी। किसी नगर पर धावा होता था तो आकाश तक उसकी खबर पहुँचती थी। युद्ध दिखता था, सुनाई देता था और उससे डरना भी आसान था। अब युद्ध ने अपनी देह बदल ली है। उसने अपने हथियार छिपा लिए हैं और अपना चेहरा धोकर भीड़ में खड़ा हो गया है। अब वह घोषणा नहीं करता, धीरे-धीरे भीतर उतरता है, जैसे कोई आदत, जैसे कोई विश्वास। अब युद्ध सिर्फ सीमाओं पर नहीं होते। वे हमारे हाथों में पकड़े छोटे-से यंत्र में भी चलते रहते हैं। हम उसे फोन कहते हैं, वह हमें दुनिया से जोड़ता है लेकिन उसी के भीतर एक और दुनिया है जहाँ शब्द हथियार बन जाते हैं, सूचना एक रणनीति हो जाती है और सच, किसी सॉफ़्टवेयर की तरह संपादित किया जा सकता है। यह एक ऐसा युद्ध है जिसमें गोली नहीं चलती पर एक अफ़वाह लाखों मनों को घायल कर देती है। यहाँ सैनिक नहीं दिखते पर स्क्रीन के पीछे बैठे लोग अदृश्य मोर्चे पर लगे होते हैं। यह युद्ध शोर नहीं करता पर धीरे-धीरे हमारी समझ को बदल देता है, हमारे निर्णयों को मोड़ देता है और हमें यह भी नहीं पता चलता कि हम कब एक विचार के पक्ष या विपक्ष में खड़े कर दिए गए। आर्थिक युद्ध की प्रकृति भी उतनी ही विचित्र है। इसमें बम नहीं गिरते पर अर्थव्यवस्थाएँ ढह जाती हैं। मुद्रा का मूल्य एक अदृश्य आक्रमण का शिकार हो जाता है, व्यापारिक प्रतिबंध एक नए तरह की नाकेबंदी बन जाते हैं। किसी देश को हराने के लिए अब उसके शहरों को जलाना आवश्यक नहीं, उसके बाज़ारों को रोक देना ही पर्याप्त है। यह युद्ध इतना संयमित दिखाई देता है कि उसमें हिंसा की पहचान करना कठिन हो जाता है पर उसकी मार उतनी ही गहरी होती है–बेरोज़गारी के रूप में, महँगाई के रूप में, और उस अदृश्य भय के रूप में जो धीरे-धीरे लोगों के भीतर घर कर जाता है। सांस्कृतिक युद्ध और भी सूक्ष्म है। यह हमारी भाषा में प्रवेश करता है, हमारे स्वाद को बदलता है, हमारी स्मृतियों को पुनर्लेखित करता है। यह हमें हमारे ही अतीत से थोड़ा-थोड़ा दूर करता है और एक नए वर्तमान में ढालता है जहाँ हम अपने ही प्रतीकों को पहचानने में हिचकने लगते हैं। यह युद्ध किसी सेना के साथ नहीं आता बल्कि गीतों, फिल्मों, विज्ञापनों, और जीवन-शैली के रूप में फैलता है। हम इसे अपनाते हैं, कभी स्वेच्छा से, कभी अनजाने में और धीरे-धीरे यह हमारी पहचान का हिस्सा बन जाता है। यह जीत इतनी शांत होती है कि पराजय का बोध भी नहीं होता। इन तीनों रूपों में एक समानता है–ये युद्ध हमें सीधे घायल नहीं करते, बल्कि हमें बदलते हैं। वे हमारी दृष्टि को प्रभावित करते हैं, हमारी प्राथमिकताओं को पुनर्गठित करते हैं और हमारी संवेदनाओं को नई दिशा देते हैं। पहले युद्ध में शत्रु स्पष्ट होता था; अब वह धुंधला है। पहले युद्ध का अंत होता था–विजय या पराजय के साथ; अब इन युद्धों का कोई स्पष्ट अंत नहीं। वे चलते रहते हैं, हमारे जीवन के साथ-साथ, हमारी दिनचर्या के भीतर, हमारे विचारों के पीछे। इस बदलते हुए युद्ध-परिदृश्य में मनुष्य की स्थिति भी बदल गई है। वह अब सिर्फ एक नागरिक नहीं, एक उपभोक्ता भी है, एक उपयोगकर्ता भी और कई बार अनजाने में एक सहभागी भी। वह उन सूचनाओं को साझा करता है जो किसी और के लिए हथियार बन सकती हैं। वह उन उत्पादों को खरीदता है जो किसी अर्थव्यवस्था को सशक्त या कमजोर कर सकते हैं। वह उन सांस्कृतिक प्रतीकों को अपनाता है जो किसी पहचान को मजबूत या क्षीण कर सकते हैं। इस प्रकार, वह स्वयं इस युद्ध का एक हिस्सा बन जाता है, बिना किसी औपचारिक घोषणा के। यह स्थिति एक अजीब-सी नैतिक उलझन भी पैदा करती है। जब युद्ध दिखाई नहीं देता, तब उसका विरोध कैसे किया जाए? जब शत्रु स्पष्ट नहीं, तब प्रतिरोध किसके विरुद्ध हो? जब हर सूचना संदिग्ध हो, तब सत्य की पहचान कैसे की जाए? ये प्रश्न हमारे समय के सबसे कठिन प्रश्नों में से हैं। इनका कोई सरल उत्तर नहीं, क्योंकि ये युद्ध सरल नहीं हैं। फिर भी, इस जटिलता के बीच एक बात स्पष्ट होती है–कि युद्ध का केंद्र अब बाहरी नहीं, भीतरी हो गया है। यह हमारे भीतर घटित होता है। हमारी समझ, हमारी चेतना और हमारी संवेदना ही उसका मुख्य क्षेत्र हैं। जो इन पर नियंत्रण पा लेता है, वह बिना एक भी गोली चलाए जीत सकता है। और जो इनकी रक्षा नहीं कर पाता, वह बिना किसी औपचारिक पराजय के हार सकता है। शायद इसी कारण, आज सबसे बड़ी आवश्यकता किसी नई हथियार प्रणाली की नहीं बल्कि एक सजग दृष्टि की है। एक ऐसी दृष्टि जो सूचना और भ्रम के बीच अंतर कर सके, जो आकर्षण और प्रभाव के बीच भेद कर सके और जो अपने भीतर के संतुलन को बनाए रख सके। यह कोई आसान कार्य नहीं क्योंकि युद्ध अब बाहर से अधिक भीतर लड़ा जा रहा है। यह कहना कि युद्ध अब सिर्फ युद्ध नहीं रहे, एक साधारण कथन नहीं बल्कि एक गहरी चिंता का संकेत है। यह उस समय की ओर इशारा करता है, जहाँ हिंसा ने अपने रूप बदल लिए हैं और हम अभी भी पुराने रूपों को पहचानने में व्यस्त हैं। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि युद्ध हमारे चारों ओर ही नहीं, हमारे भीतर भी चल रहा है, तब तक हम उसकी प्रकृति को नहीं समझ पाएँगे। और शायद, सबसे बड़ी चुनौती यही है–कि हम इस नए युद्ध को पहचानें, उसे समझें और उसके बीच अपनी मनुष्यता को बचाए रखें क्योंकि अंततः हर युद्ध का सबसे बड़ा दाँव यही होता है–मनुष्य का मनुष्य बने रहना। समकालीन युद्धों का महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इनमें स्पष्ट सीमाएँ धुंधली हो गई हैं। पहले युद्ध और शांति दो अलग अवस्थाएँ मानी जाती थीं पर अब दोनों के बीच की रेखा लगभग मिट चुकी है। रूस-यूक्रेन युद्ध में कई ऐसे क्षण आते हैं जब युद्ध औपचारिक रूप से सीमित दिखाई देता है लेकिन उसके प्रभाव वैश्विक स्तर पर फैल जाते हैं–ऊर्ज़ा संकट, खाद्यान्न संकट और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अस्थिरता के रूप में। यह दिखाता है कि आधुनिक युद्ध किसी एक भूभाग तक सीमित नहीं रहते बल्कि पूरी दुनिया को अपनी परिधि में खींच लेते हैं। इसी प्रकार ईरान- इजराइल अमेरिकी संघर्ष में प्रत्यक्ष युद्ध की अनुपस्थिति के बावजूद निरंतर तनाव बना रहता है। यहाँ युद्ध एक स्थायी स्थिति की तरह उपस्थित है–कभी साइबर हमलों के रूप में, कभी कूटनीतिक दबाव के रूप में और कभी अप्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाइयों के रूप में। इस प्रकार का संघर्ष यह संकेत देता है कि आधुनिक युद्ध अब घटना नहीं, बल्कि प्रक्रिया बन चुके हैं–धीरे-धीरे, निरंतर और कई स्तरों पर घटित होते हुए। युद्ध अब सिर्फ शरीर नहीं, मन को भी घेरता है। भय, असुरक्षा और अविश्वास धीरे-धीरे मनुष्य की स्थायी अवस्था बन जाते हैं। रूस-यूक्रेन जैसे संघर्ष में लोग केवल बमों से नहीं, अनिश्चित भविष्य से टूटते हैं। लगातार आती खबरें, प्रचार और अफवाहें मन को विचलित करती हैं। ईरान-इजराइल अमेरिका संघर्ष में यह तनाव पीढ़ियों तक फैलता है, जहाँ भय स्मृति बन जाता है।

आर्थिक और उन्नत परमाणु शक्ति बने भारत

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक अब परमाणु हथियारों की संख्या में कमी का युग खत्म हो रहा है। अब परमाणु हथियारों में वृद्धि और उन्हें उन्नत बनाने की प्रवृत्ति दिख रही है। फ़ेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की 'स्टेटस ऑफ वल्ड न्यूक्लियर फोर्सेज' रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सैन्य शक्ति के आधार पर अमरीका शीर्ष पर है। परमाणु हथियारों के मद्देनजर रूस पहले स्थान पर है और अमरीका दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन तीसरे, फ्रांस चौथे, ब्रिटेन पांचवें, भारत छठे, पाकिस्तान सातवें, इजरायल आठवें और उत्तरी कोरिया नौवें स्थान पर है। अमरीका और रूस के पास दुनिया के करीब 90 प्रतिशत परमाणु हथियार हैं। चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार हैं। भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं।

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया में बढ़ते हुए युद्ध के दौर के बीच भारत की सीमाएं बढ़ती भूराजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक संवेदनशील हो गई हैं। हाल ही में अमरीका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड के द्वारा प्रस्तुत 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट 2026 में कहा गया है कि इस समय पाकिस्तान के द्वारा किया जा रहा परमाणु और पारंपरिक हथियारों का विस्तार भारत सहित दक्षिण एशिया और अमरीका के लिए भी बड़ा खतरा बन गया है। ऐसे में भारत के लिए आर्थिक शक्ति के साथ उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित मजबूत सैन्य शक्ति बनने की आवश्यकता उभरकर दिखाई दे रही है। हाल ही में जहां बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत तेज रफ्तार से विकास करते हुए वर्ष 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, वहीं संसदीय रक्षा समिति की रिपोर्ट में भविष्य के युद्धों में भारत की निर्णायक भूमिका के मद्देनजर भारत को स्वदेशी ड्रोन और ड्रोन रोधी तकनीकों का हब बनाए जाने की जरूरत बताई गई है। गौरतलब है कि भारत के पड़ोस में पाकिस्तान के द्वारा आधुनिक चीनी हथियारों से आतंक और घुसपैठ को प्रश्रय और चीन की ओर से सीमा पर आपत्तिजनक गतिविधियां भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हो गई हैं।

जहां लद्दाख में चीन ने भारतीय क्षेत्र के कुछ भागों पर कब्जा कर रखा है, वहीं अब चीन की नजर कराकोरम दर्रे पर भी है। जहां चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पकड़ मजबूत करने की राह पर आगे बढ़ा है, वहीं वह हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' के जरिए भारत को घेरते हुए दिखाई दे रहा है। पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के मद्देनजर जब 7 मई से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था, तब पाकिस्तान का साथ देने के लिए चीन, तुर्किये और अजरबैजान का खतरनाक गठजोड़ सामने आया था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को साइबर स्पोर्ट, उपग्रह के जरिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता भी किया है। यह पूरा परिदृश्य भारत के लिए दशकों से चली आ रही शांतिप्रियता की नीति में आमूलचूल बदलाव की जरूरत बता रहा है। निःसंदेह कई दशकों से भारत पंचशील के वाहक देश के रूप में विदेशी आतंक और विदेशी अतिक्रमणों को भी धैर्यपूर्वक सहन करने की मानसिकता के साथ आगे बढ़ता रहा है, लेकिन हाल ही के वर्षों में ऐसी मानसिकता में बहुत कुछ

बदलाव आया है। निःसंदेह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक पिछले 12 वर्षों में सरकार ने एक ओर आर्थिक तो दूसरी ओर सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया था। वस्तुतः आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। अब भारत को यह दृढ़ता से स्वीकार करना होगा कि भारत के साथ पड़ोसियों के टकराव की स्थिति और बढ़ सकती है। ऐसे में भारत के लिए तेज आर्थिक विकास के साथ युद्ध के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने, मजबूत सैन्य शक्ति व उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनने के लिए रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना जरूरी दिखाई दे रहा है। अभी भारत को तेज विकास के साथ पड़ोसियों से सैन्य चुनौतियों के मुकाबले के मद्देनजर लंबा सफर तय करना है।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच भी भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से अर्थव्यवस्था को तेज गिरावट से बचाए हुए है। अभी भी भारत की अर्थव्यवस्था दूसरे देशों के मुकाबले तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। दुनिया की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर के 6.5 फीसदी होने संबंधी अनुमान प्रस्तुत कर रही हैं। भारत का मजबूत घरेलू बाजार, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और विदेशी मुद्रा भंडार में 680 अरब डॉलर से अधिक का संचय युद्ध की मुश्किलों के बीच भारत का सहारा है। साथ ही भारत को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने की मजबूत स्थिति में बनाए हुए है। लेकिन अभी देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी व आर्थिक शक्ति बनाने के लिए रफ्तार से बढ़ना होगा। जेन-जी युवाओं को देश की नई आर्थिक शक्ति बनाना होगा। निश्चित रूप से हमें युद्ध पर आधारित ऐसी मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में भी तैयार होना होगा, जहां जरूरत पड़ने पर तेजी से औद्योगिक और तकनीकी क्षमता का इस्तेमाल करते हुए युद्ध सामग्री का निर्माण हो सके। हमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से रक्षा इकाइयों को तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों के साथ जोडक़र सैन्य साजो सामान को अत्याधुनिक बनाने की डगर पर तेजी से बढ़ना होगा। देश में साइबर और सूचना युद्ध क्षमताओं को तेजी से विस्तारित करना होगा। हमें ध्यान देना होगा कि अब युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, वरन ये मिसाइलों व ड्रोन के इस्तेमाल से हवा, समुद्र तथा साइबर स्पेस में भी लड़े जाते हैं। अतएव हमें हाइपरसोनिक मिसाइलें, स्वार्म ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नई क्षमताओं के साथ आगे बढ़ना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में 3 अप्रैल को भारत की स्वदेशी परमाणु ऊर्ज़ा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को भारतीय नौसेना में शामिल करना महत्वपूर्ण है। यह भी सुकूनदायक है कि भारत ने पिछले एक दशक में खुद को रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातक से निर्यातक के रूप में सफलतापूर्वक बदला है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 38424 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड रक्षा निर्यात किया है। लेकिन अभी रक्षा मजबूती के लिए मीलों चलना बाकी है। 'मेक इन इंडिया' के तहत आधुनिक हथियारों का मजबूत स्वदेशीकरण किया जाना होगा। न केवल भारत को सैन्य साजो-सामान के आधुनिकीकरण के साथ एआई, साइबर तकनीक और आधुनिक मिसाइलों से सुसज्जित होना होगा, वरन उन्नत परमाणु शक्ति बनने की डगर पर भी आगे बढ़ना होगा।

उल्लेखनीय है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक अब परमाणु हथियारों की संख्या में कमी का युग खत्म हो रहा है। अब परमाणु हथियारों में वृद्धि और उन्हें उन्नत बनाने की प्रवृत्ति दिख रही है। फ़ेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की 'स्टेटस ऑफ वल्ड न्यूक्लियर फोर्सेज' रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सैन्य शक्ति के आधार पर अमरीका शीर्ष पर है। परमाणु हथियारों के मद्देनजर रूस पहले स्थान पर है और अमरीका दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन तीसरे, फ्रांस चौथे, ब्रिटेन पांचवें, भारत छठे, पाकिस्तान सातवें, इजरायल आठवें और उत्तरी कोरिया नौवें स्थान पर है। अमरीका और रूस के पास दुनिया के करीब 90 प्रतिशत परमाणु हथियार हैं। चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार हैं। भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। ऐसे में अब भारत को एक उन्नत परमाणु शक्ति बनने के लिए थोरियम और उन्नत रिएक्टरए फास्ट ब्रीडर रिक्टरों और स्मॉल माडयूलर रिएक्टरों के विकास में तेजी लानी होगी।

स्क्रीन के युग में दम तोड़ती सुनने की संस्कृति

प्रो. सतपाल

बीसवीं सदी मानव इतिहास की सबसे निर्णायक शताब्दियों में से एक रही है। यह वही सदी थी जिसने न केवल दो विश्व युद्धों की विभीषिका देखी बल्कि औपनिवेशिक शासन का अंत भी देखा। सर्वोपरि यह सदी आधुनिक तरक्की, ज्ञान व तकनीक की अभूतपूर्व प्रगति की साक्षी बनी। इसी सदी में मनुष्य ने न केवल विनाश के नए हथियार गढ़े, बल्कि संवाद और ज्ञान के ऐसे साधन भी विकसित किए, जिन्होंने समाज को जोड़ने का काम किया। इन्हीं सबों के बीच 'रेडियो' भी इसी सदी की एक ऐसी खोज थी, जिसने बिना शोर किए दुनिया की दिशा बदल दी। औपनिवेशिक बन्धनों से मुक्ति के बाद विश्व के अनेक देशों में रेडियो ने दशकों तक सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को बिना किसी शोर-शराबे के समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने में अग्रिम भूमिका निभाई। बीसवीं सदी के प्रारम्भ में साक्षरता सीमित होने के कारण समाचारपत्र की पहुंच केवल कुछ वर्गों तक होने के कारण रेडियो ने श्रव्य माध्यम के रूप में क्रांति लाने का काम किया, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी। एक छोटे से यंत्र ने घर-घर तक समाचार, राजनीतिक भाषण और घटनाएं पहुंचाई तथा दूरी व विलम्ब की बाधा को तोड़ते हुए रेडियो ने सूचना को तत्काल बना दिया।

इससे न केवल समाज में जागरूकता का एक नया दौर आरम्भ हुआ, अपितु दुर्गम गांव के घर-घर में देश दुनिया को जानने की एक अलख जग गयी। रेडियो का इतिहास केवल तकनीकी विकास की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की गाथा भी है। उन्नीसवीं सदी के अंत में रेडियो तरंगों की खोज तथा बीसवीं सदी में इसके प्रसारण की शुरुआत ने दुनिया को पहली बार यह एहसास कराया कि आवाज सीमाओं की मोहताज नहीं होती। वहीं भारतवर्ष ने भी रेडियो तरंगों को वर्ष 1927 में रेडियो प्रसारण की शुरुआत से तथा वर्ष 1936 में ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना से राष्ट्रीय संवाद का माध्यम बनाया। तत्पश्चात आजादी की लड़ाई में भी रेडियो ने मूक जनता को स्वर देकर तीतर-बीतर जनसमूह को स्वतंत्रता के सांझा लक्ष्य से जोड़ने में अग्रिम भूमिका निभाई। इतना ही नहीं स्वतंत्रता संघर्ष में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा संचालित आजाद हिंद रेडियो ब्रिटिश शासन के विरुद्ध वैचारिक संघर्ष का सशक्त माध्यम बना। रेडियो ने न केवल समाचार प्रदान किए, बल्कि जनता के भीतर साहस व एकजुटता का भी संचार किया। न केवल आजादी बल्कि आजादी के बाद भी रेडियो ने राष्ट्र निर्माण के मार्ग प्रशस्त किए। यह वह दौर था जब देश में साक्षरता सीमित थी और संसाधनों की कमी थी, तब रेडियो शिक्षा और सूचना का सबसे भरोसेमंद एवं सशक्त माध्यम के रूप में सामने आया। कृषि कार्यक्रमों से लेकर स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक रेडियो ने समाज को जागरूक तथा जोड़ने का कार्य किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न देशों के बीच आपसी संघर्ष के समय सूचना, प्रचार और मनोबल का सबसे प्रभावी माध्यम भी रेडियो ही था। युद्ध की भयावहता के बीच रेडियो ने युद्ध में संलग्न सैनिकों तथा डरी हुई जनता के लिए आशा की आवाज के रूप में काम किया। इससे भी बढक़र समाचार माध्यम के रूप में रेडियो विश्वसनीयता और संयम की मिसाल थी। रेडियो समाचारों में सनसनी नहीं, बल्कि संतुलन होता था। वहीं देश-दुनिया की घटनाएं भी तथ्यात्मक ढंग से प्रस्तुत की जाती थीं। वर्तमान में न तो सूचना की कमी है और न ही सूचना के स्त्रोतों की। बावजूद इसके समाज में भ्रम बढ़ता प्रतीत हो रहा है। ऐसे में रेडियो पत्रकारिता की उस परंपरा को याद करना आवश्यक है जहां सूचना का उद्देश्य जागरूकता था, न की उत्तेजना और भ्रम। अगर खेल की बात करें तो क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेल रेडियो पर केवल सुने नहीं, बल्कि महसूस किए जाते थे। कमेंटेटर की आवाज और उसकी शब्द-चित्रण क्षमता श्रोताओं की कल्पना को सक्रिय करती थी। पूरा गांव या मोहल्ला एक ही रेडियो के इर्द-गिर्द मैच सुनता था। आज तकनीक ने दृश्य तो दे दिए हैं, लेकिन वह सामूहिक अनुभव और धैर्य को हमसे छीन लिया है।

परंपरा की पगडंडी से विकास की राह पर बंजारे

डॉ.एस.के.गोपाल

भारत की असली पहचान उसकी विविधता में छिपी है जहाँ हर समाज अपनी अलग परंपरा, भाषा और जीवनशैली के साथ इस देश को समृद्ध बनाता है। बंजारा समाज भी इसी विविधता का एक महत्वपूर्ण और आकर्षक हिस्सा है। यह समाज अपने रंगीन जीवन, जीवंत संस्कृति और संघर्षपूर्ण इतिहास के कारण विशेष पहचान रखता है। बंजारों को कई स्थानों पर लंबानी, लंबाडी या गोर भी कहा जाता है जो सदियों तक घुमंतू जीवन जीते रहे हैं। उनके काफिले बैलगाड़ियों के साथ सुदूर इलाकों तक यात्रा करते थे और व्यापार के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ते थे। उस समय जब आधुनिक परिवहन के साधन नहीं थे तब यही लोग नमक, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाते थे। इस दृष्टि से बंजारा समाज केवल एक समुदाय नहीं अपितु भारतीय जीवन के प्रवाह को गति देने वाला एक महत्वपूर्ण माध्यम भी रहा है। उनकी यात्राएँ केवल व्यापारिक नहीं होती थीं अपितु वे सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी एक सशक्त माध्यम बनती थीं जिससे विभिन्न क्षेत्रों की परंपराएँ एक-दूसरे से जुड़ती चली गईं।

बंजारा समाज की सांस्कृतिक पहचान की सबसे पहली झलक उनकी वेशभूषा में दिखाई देती है। विशेष रूप से महिलाओं की पोशाक इतनी रंग-बिरंगी और कलात्मक होती है कि वह तुरंत ध्यान आकर्षित करती है। घाघरा-चोली पर की गई बारीक कढ़ाई और शीशों का काम उनकी पारंपरिक कला को दर्शाता है। इसके साथ ही चांदी के भारी गहने उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत बनाते हैं। पुरुषों की वेशभूषा अपेक्षाकृत सरल होती है लेकिन उसमें भी परंपरा की झलक साफ दिखाई देती है। उनके वस्त्र केवल पहनावे भर नहीं होते अपितु उनके इतिहास, परिवेश और जीवन के अनुभवों को भी अपने भीतर समेटे रहते हैं। यह पहनावा मौसम, यात्रा और श्रम के अनुकूल भी होता था जो उनकी व्यावहारिक समझ को दर्शाता है। आज भी जब बंजारा महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में दिखती हैं तो वह केवल परंपरा का निर्वाह नहीं होता अपितु अपनी पहचान के प्रति गर्व का प्रदर्शन भी होता है।

संगीत और नृत्य बंजारा समाज के जीवन का अभिन्न अंग हैं। उनके लोकगीतों में जीवन की सच्चाइयाँ, भावनाएँ और अनुभव सहज रूप से व्यक्त होते हैं। प्रेम, विरह, उत्सव और यात्रा जैसे विषय उनके गीतों में बार बार उभरते हैं। ढोलक, खंजरी और अन्य वाद्ययंत्रों की थाप पर जब समूह में नृत्य होता है तो वह केवल मनोरंजन नहीं अपितु सामूहिक एकता और उल्लास का प्रतीक बन जाता है। इन गीतों और नृत्यों के माध्यम से समाज अपनी परंपराओं को जीवित रखता है और नई पीढ़ी तक पहुँचाता है। बंजारा समाज में हर अवसर, चाहे वह विवाह हो, पर्व हो या कोई सामाजिक आयोजन, गीत और नृत्य के बिना अधूरा माना जाता है। इनकी लय और ताल में एक ऐसी ऊर्ज़ा होती है जो व्यक्ति को अपने साथ बहा ले जाती है और उसे समाज की सामूहिक भावना से जोड़ देती है। समय के साथ बंजारा समाज के जीवन में भी बड़े बदलाव आए हैं। जो समुदाय कभी लगातार यात्रा करता था, वह अब धीरे-धीरे स्थायी रूप से बसता जा रहा है। शिक्षा, रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश ने उन्हें गांवों और शहरों की ओर आकर्षित किया है। यह परिवर्तन एक ओर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ता है, वहीं दूसरी ओर उनकी पारंपरिक जीवनशैली पर प्रभाव भी डालता है। नई पीढ़ी आधुनिक शिक्षा, तकनीक और डिजिटल दुनिया के संपर्क में आ रही है जिससे उनके सोचने और जीने के तरीके में बदलाव आ रहा है। अब युवा वर्ग रोजगार के नए अवसरों की ओर अग्रसर हो रहा है तथा कई लोग प्रशासन, शिक्षा, कला और राजनीति जैसे क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं। हालांकि इस बदलाव के बीच अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना एक चुनौती बनता जा रहा है क्योंकि आधुनिक जीवनशैली के प्रभाव से पारंपरिक ज्ञान और रीति-रिवाज धीरे-धीरे कम होते जा रहे हैं।

आज के समय में बंजारा समाज कई सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। शिक्षा का स्तर अभी भी कई क्षेत्रों में संतोषजनक नहीं है और रोजगार के अवसर भी सीमित हैं। सरकारी योजनाएँ और नीतियाँ उनके विकास के लिए बनाई गई हैं लेकिन उनका लाभ हर व्यक्ति तक समान रूप से नहीं पहुँच पाता। खासकर दूरदराज़ इलाकों में रहने वाले लोगों को अभी भी स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता है। कई स्थानों पर सामाजिक जागरूकता की कमी भी विकास में बाधा बनती है। इसके बावजूद इस समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी जुझारू प्रवृत्ति और सामूहिकता है। कठिन परिस्थितियों में भी एक-दूसरे का साथ देकर आगे बढ़ने की उनकी परंपरा उन्हें मजबूती प्रदान करती है। यह गुण उन्हें हर चुनौती से लड़ने की शक्ति देता है और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि बंजारा समाज की सांस्कृतिक धरोहर को केवल देखने या सराहने तक सीमित न रखा जाए अपितु उसे सहेजने और आगे बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएँ। उनकी कला, भाषा और परंपराओं को शिक्षा और सांस्कृतिक संस्थानों में उचित स्थान मिलना चाहिए ताकि नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रह सके। साथ ही समाज के समग्र विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्रों में विशेष ध्यान देना आवश्यक है। यदि सरकार और समाज मिलकर इस दिशा में प्रयास करें तो बंजारा समाज न केवल अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रख पाएगा अपितु विकास की मुख्यधारा में भी सशक्त रूप से आगे बढ़ सकेगा। बंजारा समाज की कहानी हमें यह सिखाती है कि अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए भी समय के साथ आगे बढ़ा जा सकता है। यह समाज भारतीय संस्कृति की उस जीवंत धारा का प्रतीक है जो विविधता में एकता को साकार करती है और हमें अपने अतीत से जोड़ते हुए भविष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादकः सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धकः आस्था श्रीवास्तव, मोबाइलः 9415089955

निर्माणाधीन नगर निगम भवन का महापौर ने किया निरीक्षण

फिनिशिंग कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

प्रभात समय संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने बुधवार को अधिकारियों के साथ नगर निगम के निर्माणाधीन नए भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने अब तक कराए गए कार्यों को निकट से देखा। महापौर ने फिनिशिंग कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

महापौर अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, सहायक अभियंता सिविल राजपति यादव के साथ साढ़े 12 बजे नगर निगम के निर्माणाधीन कार्यालय भवन पहुंचे। यहां ठेकेदार बैग माइन इंटरप्राइजेज बरेली के परियोजना प्रबंधक महाराज शर्मा एवं पीएमसी दिवाकर के साथ सभी मंजिल पर जाकर प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान पाया गया कि नगर निगम एवं अयोध्या विकास प्राधिकरण का संयुक्त प्रशासनिक भवन लगभग बनकर तैयार हो चुका है। अब फिनिशिंग कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे ने बताया कि अत्याधुनिक ढंग से बनाए जा रहे इस भवन में रैंप का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि लिफ्ट लगाने की तैयारी हो चुकी है। बताया गया कि नगर निगम और एडीए का प्रवेश द्वार अलग-अलग होगा, हालांकि प्राधिकरण के हिस्से की बिल्डिंग में पांचवीं मंजिल नगर निगम की होगी। इसमें नगर आयुक्त का कार्यालय बनाया जाएगा यहीं सभी अपर आयुक्त भी बैठेंगे। दो हिस्सों में बन रहा यह भवन पांच मंजिला होगा। इसमें सोलर पैनल को इस तरह से लगाया जाएगा कि बिजली जाने पर भी आधे घंटे का बैकअप मिल सके। यहां भूमिगत पार्किंग के साथ अत्यधिक अग्निशमन सुरक्षा एवं बेहतर जल प्रबंधन का भी इंतजाम किया गया है। इसके बेसमेंट में 292 वाहनों की पार्किंग की सुविधा शुरू होगी। महापौर ने अधिकारियों से फिनिशिंग कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। परियोजना प्रबंधक महाराज शर्मा ने नगर निगम को भवन हैंडओवर करने के लिए तीन माह का समय मांगा। इस दौरान पार्षद अभिनव पांडे भी मौजूद रहे।

विभिन्न समस्याओं के निराकरण को ग्राम प्रधानों ने बुलंद की आवाज

- अखिल भारतीय प्रधान संगठन ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। ग्राम प्रधानों ने अखिल भारतीय प्रधान संगठन के बैनर तले कलक्ट्रेट में धरना देकर विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी आवाज बुलंद की। ग्राम प्रधानों ने जिलाधिकारी को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए समस्याओं के निराकरण की मांग की।

अखिल भारतीय प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह गौतम की अगुवाई में बुधवार को प्रधानों ने एकजुटता के साथ कलक्ट्रेट में विरोध-प्रदर्शन किया। मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए अपनी आवाज बुलंद की। बाद में जिलाधिकारी को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। इसमें कहा है कि प्रजातांत्रिक भारत देश में संविधान के अनुसार पंचायतीराज अधिनियम के तहत गांवों के विकास को संविधान की 11वीं अनुसूची के अनुच्छेद 243 (छ) के तहत 29 विभागों के संचालन का

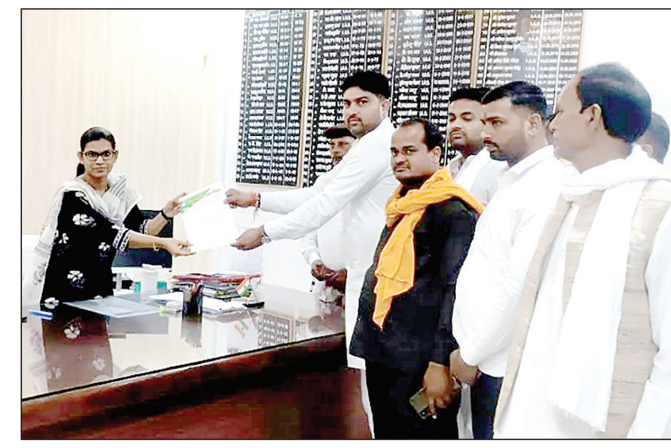

अधिकार ग्राम पंचायत को दिया गया है। इसके मुखिया ग्राम प्रधान हैं। कुछ कर्मचारी अधिकारी, दबाव बनाकर अपना काम करवाते हैं। इसी तर्ज पर भुगतान का दबाव बन कर पंचायतों का समय से भुगतान कराएं एवं दोषियों को चिन्हित कर दंडित करें। 15वें केंद्रीय वित्त और पांचवें राज्य वित्त की किश्तों का भुगतान नहीं हो पा रहा। जल-जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन बिछाने के दौरान गांवों खराब सड़कों का नव निर्माण कराए जाए। गौशाला में होने वाले भूसा सप्लायरों के टेंडरों को निरस्त किया जाए। मनरेगा को विकसित भारत जीरामजी योजना के तहत जोड़ने के बाद प्रधानों द्वारा कराये गये कार्यों का अवशेष भुगतान जल्द किया जाए। ग्राम प्रधानों को प्राथमिकता से शस्त्र लाइसेंस जारी करने की मांग की। इस मौके पर ग्राम प्रधान इटवां, चमरहा, सिंहपुर, सिंहपुर, चिल्ली समेत तमाम ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

तहबाजारी के नाम पर खुलेआम चल रहा अवैध वसूली का खेल

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। जिला पंचायत तहबाजारी के नाम पर ट्रक चालकों से मनमानी वसूली की जा रही है, जिसके संबंध में उत्तर प्रदेश ट्रक ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने मंडल मुख्यालय में पहुंचकर आयुक्त से शिकायत दर्ज कराई है और ज्ञापन सौंपकर अवैध वसूली पर अंकुश लगाने व दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग बुलंद की है।

बुधवार को उत्तर प्रदेश ट्रक ऑपरेटर्स एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष डा.अतुल त्रिवेदी की अगुवाई में ट्रक मालिकों ने मंडलायुक्त अजीत कुमार को ज्ञापन सौंपकर बताया है कि चित्रकूटधाम मंडल के महोबा जनपद को गिट्टी, मोरंग आदि की सबसे बड़ी मंडी के रूप में जाना जाता है और यहां से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ट्रक गिट्टी, मोरंग आदि खनिज लेकर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में जाते हैं। जिला पंचायत की ओर से खनिज उद्गम स्थल पर ही तहबाजारी वसूले जाने का प्रावधान शासन से नियत है। बताया है कि महोबा में जिला पंचायत की ओर से नए वित्तीय वर्ष में जब से तहबाजारी का ठेका हुआ है, तभी से तहबाजारी ठेकेदार की मनमानी चरम पर है। ठेकेदार के प्राइवेट गुर्गे प्रमुख राजमार्गों पर लाठी डंडों से लैस होकर ट्रकों को रोकते हैं और ट्रक चालकों को धमका कर मनमानी वसूली करते हैं। इतना ही नहीं पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश से गिट्टी आदि लाने वाले ट्रकों से भी अवैध वसूली की जाती है। कहा है कि कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

निजी विद्यालयों की मनमानी पर नकेल कसने को सदर विधायक ने कसी कमर

- सीएम योगी को पत्र लिखकर बस्ते के बढ़ते बोझ को नियंत्रित करने की मांग
- प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में पाठ्यक्रम बदलाव पर उठाए सवाल, जांच की मांग

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। शिक्षा व्यवस्था पर निजी स्कूलों के अघोषित कब्जे को लेकर जहां विपक्षी दलों के नेता खासे मुखर हो रहे हैं और शिक्षा का बेहतर माहौल बनाने की मांग बुलंद कर रहे हैं। वहीं भाजपा से सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने भी अब निजी स्कूलों के संचालकों की मनमानी को कटघरे में खड़ा किया है। विधायक ने प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर निजी स्कूलों पर नकेल कसने और नौनिहालों पर बढ़ते बस्ते के बोझ को नियंत्रित करने की मांग बुलंद की है। उन्होंने प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में पाठ्यक्रम

के बदलाव पर भी सवाल खड़े किए हैं और इसकी जांच कराने की मांग की है।

सदर विधानसभा से भाजपा के विधायक प्रकाश द्विवेदी ने सूबे से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर बदहाल शिक्षा व्यवस्था और निजी स्कूलों के संचालकों की मनमानी का मुद्दा बुलंद किया है। कहा है कि निजी शिक्षण संस्थान शिक्षा के नाम पर आम आदमी को खुलेआम आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार बना रहे हैं। साथ ही शिक्षा के माहौल को भी दूषित करने का काम कर रहे हैं। विधायक ने पत्र में बीते सालों का जिक्र करते हुए कहा है कि पहले परिवार के बड़े भाई-बहन की पाठ्य सामग्री का उपयोग करके सभी छोटे भाई-बहन पढ़ाई पूरी कर लेते थे, लेकिन मौजूदा समय में प्रत्येक सत्र में पूरा पाठ्यक्रम ही बदल दिया जाता है, जिससे हर वर्ष नई पाठ्य सामग्री खरीदने की मजबूरी होती है और अभिभावकों की जेब पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इतना ही नहीं अधिक कमाई के चक्कर में निजी स्कूलों के संचालक अपनी मनचाही दुकान से ही पाठ्य सामग्री खरीदने का दबाव बनाते हैं और अनावश्यक पुस्तकों के जरिए छोटे-छोटे बच्चों के स्कूल बैग का भार बढ़ाने का कुचक्र रचते हैं। जिससे बच्चों के शारीरिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कहा कि सेवा के माध्यम के रूप में शुरू हुई शिक्षा अब धंधे का रूप ले चुकी है। जहां अभिभावकों को अप्रत्यक्ष रूप से शोषण का शिकार बनाया जा रहा है। विधायक ने पर्यावरण संरक्षण का हवाला देते हुए कहा है कि प्रति वर्ष पुस्तकों के अनावश्यक परिवर्तन से लाखों टन कागज व्यर्थ होता है, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने इसे केवल आर्थिक शोषण ही नहीं बल्कि बच्चों के शारीरिक, मानसिक व शैक्षिक भविष्य को बड़ा खतरा बताया है। कहा है कि जल्द ही निजी स्कूलों के संचालकों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगाया गया तो देश के भविष्य को बड़ा नुकसान पहुंच सकता है।

सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे गए पत्र में माध्यम से प्रदेश में एक समान पाठ्यक्रम लागू करके सभी विद्यालयों में एनसीईआरटी आधारित शिक्षण व्यवस्था अनिवार्य किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई है। उन्होंने पत्र के जरिए पुस्तकों के मूल्य निर्धारण व प्रकाशकों पर सख्त नियंत्रण की व्यवस्था लागू करने, स्कूल बैग के वजन से संबंधित नियमों का कड़ाई पालने कराने, निजी विद्यालयों की फीस संरचना, कार्यप्रणाली और पुस्तक चयन की निगरान के लिए जिला स्तर पर विशेष जांच समित गठित करने, अभिभावकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए पारदर्शी व प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने और संबंधित विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग प्रमुखता से उठाई हैं।

मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत थाना सिंगाही पुलिस का जागरूकता अभियान

प्रभात समय संवाददाता

सिंगाही खीरी। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत आज दिनांक 08 अप्रैल 2026 को पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में थाना सिंगाही पुलिस ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों एवं अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों- 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) एवं 1076 (पुलिस कंट्रोल रूम)—की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही ठ्यएग्घ इ्ध्ध के माध्यम से उपलब्ध पुलिस सेवाओं की जानकारी दी गई तथा सोशल मीडिया पर बढ़ते साइबर अपराधों जैसे फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग एवं फर्जी प्रोफाइल से होने वाली धोखाधड़ी से बचाव के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए।

महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के संबंध में घ्एट्ट्ग एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के बारे में भी जागरूक किया गया। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत यह अभियान महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना तथा अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को सशक्त बनाना है। जनपद खीरी पुलिस ने सभी महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की असुरक्षा या अपराध की स्थिति में तत्काल निकटतम थाने या उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें।

विधायक ने मंदिर सौंदर्यीकरण व संपर्क मार्ग निर्माण का किया भूमि पूजन

- 1.4 करोड़ रुपये की लागत से बिहारी जी मंदिर का होगा सौंदर्यीकरण

प्रभात समय संवाददाता

ओरन। क्षेत्रीय विधायक ने कस्बा स्थित प्रसिद्ध बिहारी जी मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य तथा नांदनमऊ से खेरादाई तक और सिंहपुर से केवटन पुरवा संपर्क मार्ग का भूमिपूजन विधि विधान से किया। बताया कि संपर्क मार्ग निर्माण से क्षेत्रीय लोगों को आवागमन में सुविधा होगी।

कस्बा स्थित प्रसिद्ध बिहारी जी मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य तथा नांदनमऊ से खेरादाई तक और सिंहपुर से केवटन पुरवा संपर्क मार्ग का बुधवार को क्षेत्रीय विधायक ओममणि वर्मा ने मंदिर महंत गोपाल नारायण दास महराज की उपस्थित में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। नगर

पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राज नारायण द्विवेदी ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक के प्रयासों से कस्बा के प्रसिद्ध बिहारी जी मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए शासन ने 1.4 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। जबकि नांदनमऊ से खेरादाई मंदिर संपर्क मार्ग, सिंहपुर से केवटन पुरवा संपर्क मार्ग स्वीकृत हुआ है। क्षेत्र की जनता को काफी लाभ मिलेगा। इस मौके पर प्रभारी ईओ डिप्टी कलेक्टर इरफ़ान उल्ला खान, जेई अंकित पाल, नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण द्विवेदी, राजेंद्र द्विवेदी, पूर्व चेयरमैन योगेश कुमार द्विवेदी, रमाकांत त्रिपाठी, धीरज गुप्ता, राधेश्याम साहू, राजेंद्र मिश्रा, बिंदेश्वरी तिवारी, राजाबाबू चतुर्वेदी, राघवेंद्र द्विवेदी, जगदीश पांडेय, गौरव द्विवेदी समेत तमाम कस्बावासी उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

जनता दर्शन में जिलाधिकारी ने सुनीं शिकायतें,शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के जनपद अयोध्या कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन में बुधवार को जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने आमजन की समस्याओं को सुना। अलग अलग क्षेत्रों से आए लोगों ने विभिन्न विभागों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें राजस्व, विकास, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों से जुड़े प्रकरण शामिल रहे। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त प्रार्थना पत्रों का गुणवत्ता पूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जिन मामलों का निस्तारण मौके पर संभव है, उन्हें तत्काल निपटाया जाए तथा शेष प्रकरणों में निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्यवाही करते हुए आख्या प्रस्तुत की जाए।

टीएसी जांच को आई टीम ने सड़कें खुदवा कर लिए सेंपल

बांदा। कुछ माह पहले लाखों रुपये के बजट से चंदवारा और गौरीखुर्द गांवों में क्षेत्र पंचायत निधि से बनाई गईं सीसी सड़कों की टीएसी की जांच शुरू हुई। जांच को आई टीम ने सीसी सड़कें खुदवा कर सेंपल लिए। उधर, सपा नेता समेत ग्रामीणों ने टीएसी जांच को महज औपचारिकता बताते हुए अफसरों पर भ्रष्टाचार में लीपापोती करने का आरोप लगाया है। पैलानी तहसील क्षेत्र के चंदवारा और गौरीखुर्द गांवों में क्षेत्र पंचायत निधि से बनी सीसी सड़कों के निर्माण में बरती गई अनियमितता की शिकायत कुछ दिनों पहले सपा नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले की अगुवाई में ग्रामीणों ने सीडीओ व एसडीएम से की थी। उन्होंने सीसी सड़क निर्माण कार्य की टीएसी जांच कराए जाने की मांग की। परियोजना निदेशक (ग्राम्य विकास अभिकरण) व लघु सिंचाई विभाग सहायक अभियंता की अगुवाई में गांव पहुंची टीम ने बनाई गईं सड़कों की खुदाई कराते हुए सेंपल लिए। शिकायतकर्ता सपा नेता व ग्रामीणों का कहना है कि जांच केवल महज औपचारिकता तक ही पूरी की गई। परियोजना निदेशक बैठक में शामिल होने की बात कहकर जांच टीम के साथ नहीं आए। ग्रामीण टीएसी जांच से असंतुष्ट नजर आए। सपा नेता व ग्रामीणों ने बताया कि जिलाधिकारी से उच्च स्तरीय टीएसी जांच की मांग करेंगे।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

ओरन। कस्बे के प्रसिद्ध तिलहर देवी मंदिर परिसर में बुधवार को संगीतमयी श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। वैदिक पूजन पाठ के बाद गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में पीले वस्त्र धारण किए बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश लेकर श्रद्धा भाव के साथ शामिल हुईं। कस्बे के रामलीला मैदान रोड होते हुए प्रमुख मार्गों का भ्रमण करने के बाद कथा स्थल पहुंचकर यात्रा का समापन हुआ। ध्वनि यंत्रों और बैंड बाजों के बीच भजनों की मधुर धुन से सारा कस्बा भक्तिमय रहा। कथा वाचक अनंत विभूषित पं.बटुक महराज (वृंदावन) ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जीवन के उद्देश्य और दिशा को दर्शाती है। भागवत कथा सुनने मात्र से संपूर्ण क्षेत्र दुष्ट प्रवृत्तियों से खत्म होकर सकारात्मक ऊर्जा से सशक्त हो जाता है। कथा परीक्षित पं.शंकर्षणदत्त त्रिपाठी व मेघ श्याम त्रिपाठी, घनश्याम त्रिपाठी ने व्यासपीठ की आरती उतारी। इस मौके पर कथा विशेष संरक्षक पंचदश नाम जूना अखाड़ा पिपलेश्वर महादेव मंदिर जोधपुर (राजस्थान) महंत श्रीधर गिरी महाराज समेत नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण द्विवेदी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश द्विवेदी, रमाकांत त्रिपाठी, गौरव द्विवेदी, ओमप्रकाश तिवारी, नत्थू द्विवेदी, जितेंद्र त्रिपाठी, ओमदत्त त्रिपाठी, आशीष अनुरागी, दिवाकर द्विवेदी, रजोल द्विवेदी व तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे।

ई-रिक्शा की टक्कर से मासूम की मौत

बांदा। गिरवां थाना क्षेत्र के मसूरी खेरवा गांव निवासी दिव्यांशु (4) पुत्र ओमप्रकाश मंगलवार की शाम घर के बाहर खेल रहा था। तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ई-रिक्शा की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

ईरानी गैंग का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार, 9 लाख रुपये के जेवरात बरामद

- 4 माह पहले साथियों के साथ सर्राफा दुकान से उड़ाए थे जेवरात
- कालिंजर थाना व एसओजी टीम को मिली बड़ी कामयाबी

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। लगभग चार माह पहले कालिंजर स्थित सर्राफा दुकान से जेवरात चोरी की घटना का खुलासा करते हुए कालिंजर थाना और एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम ने ईरानी गैंग के सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने लगभग 9 लाख रुपए के चोरी के जेवरात बरामद किए।

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर जनपद में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण लगाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। चार माह पहले

पांच जनवरी को कालिंजर कस्बा निवासी सर्राफा व्यापारी ब्रजनंदन ने थाने में सूचना दी कि उसकी सर्राफा की दुकान पर कुछ अज्ञात व्यक्ति आए और जेवरात दिखाने को कहा। इसी बीच दुकान आए लोगों ने उसे बातों में उलझाकर काउंटर पर रखे सोने के जेवरात से भरा डिब्बा चोरी कर ले गए। पुलिस ने व्यापारी की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करने के बाद टप्पेबाजों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया। वैज्ञानिक व सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के माध्यम से पुलिस ने अभियुक्तों की पहचान की। कालिंजर थाना और एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम मे घटना में शामिल रहे शहडोल (मध्य प्रदेश) जिले के बुरहार निवासी खानू हुसैन पुत्र फरजंद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने बताया कि जुबेर अहमद, तकवीर खान एवं सरताज अली उर्फ तरू के साथ मिलकर संगठित गिरोह के रूप में विभिन्न जनपदों में ज्वैलर्स की दुकानों को निशाना बनाते हैं। चार माह पहले ही कालिंजर में सर्राफा दुकान पर टप्पेबाजी कर जेवरात चोरी किए थे। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर कस्बा स्थित पर्यटक ढाबा के आगे दुर्गा माता मंदिर के पीछे जमीन को खुदवा कर पुलिस ने सर्राफा दुकान से उड़ाए गए लगभग 9 लाख रुपये के जेवरात बरामद किए।

मोबाइल फोन छीनने वाले तीन चोर गिरफ्तार

राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीनने वाले अंतर्जनपदीय तीन चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से पुलिस ने छीन गया मोबाइल फोन और बाइक बरामद की। पुलिस की पूछताछ में तीनों ने मोबाइल फोन छिनैती की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पकड़े गए तीन आरोपी सीमावर्ती महोबा जिले के रहने वाले हैं। पूछताछ के बाद कोर्ट के आदेश पर तीनों को जेल भेज दिया गया है। बताया गया है कि प्रयागराज निवासी कृष्ण माधव सोमवार को फोन पर किसी से बात कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन अज्ञात व्यक्तियों ने पीछे से आकर झपट्टा मारकर मोबाइल फोन ले गए। उन्होंने मटौंध थाना में घटना की सूचना दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश तेज कर दी। बुधवार को मटौंध थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घटना को अंजाम देने वाले महोबा जिले के कबरई थाना व कस्बा निवासी राहुल पुत्र देवीदीन, इसी थाना क्षेत्र के लिलवाही निवासी रंजीत पुत्र दशरथ व वीला गांव निवासी कल्लू उर्फ परशुराम पुत्र शिवराम को जखौरा अंडर पास से गिरफ्तार कर लिया।

ड्रोन से पहचान के बाद घेराबंदी कर 20 साइबर ठग गिरफ्तार, 17 फरार

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में कमिश्नरेट पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए भोले-भाले लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले गिरोह का फिल्मी अंदाज में भंडाफोड़ किया और मौके से 20 ठगों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि अन्य 17 फरार हो गए जिनकी तलाश जारी है। रेउना थाना क्षेत्र में पुलिस ने पहले ड्रोन की मदद से संदिग्धों को चिन्हित किया और फिर घेराबंदी कर आत्मसमर्पण के लिए चेतावनी दी। इसके बाद एक-एक कर सभी आरोपितों को दबोच लिया गया। पकड़े गए शातिरों से पूछताछ जारी है।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि बीते काफी समय से पुलिस को सूचना मिल रही थी कि रेउना थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़े पैमाने पर साइबर ठगी का गोरखधंधा बड़े ही तेजी से फल-फूल रहा है। यह गिरोह उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों सहित कर्नाटक, दिल्ली, झारखंड, उड़ीसा, बिहार, हरियाणा जैसे राज्यों में लोगों को ठगी का शिकार बना चुका है। इन्हें पकड़ने के लिए एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके को टास्क सौंपा गया। सर्विलांस टीम और क्राइम ब्रांच के साथ-साथ साइबर टीम के अलावा घाटमपुर, सजेती सांढ़ और रेउना थाना पुलिस समेत डेढ़ दर्जन गाड़ियों से करीब छह दर्जन पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे सबसे पहले ड्रोन के जरिये शातिरों को चिन्हित किया गया। इसके बाद बारी-बारी से 20 को गिरफ्तार कर लिया गया।

पकड़े गए शातिरों ने बताया कि रोज प्रत्येक लोग 50 से 60 कॉल करते थे। जिनमें से 5-6 लोग इनके झांसे में आ जाते थे। यह साइबर ठग फर्जी कस्टमर केयर, हेल्पलाइन, बैंक, गैस, बिजली विभाग, इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए फर्जी कॉल और ऑनलाइन नौकरी लॉटरी या गिफ्ट का झांसा देकर भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसाते थे।

पुलिस को मौके से 16 स्मार्टफोन, चार कीपैड फोन, 12 फर्जी आधार कार्ड, एक एटीएम कार्ड और 4,480 रुपये नकद बरामद हुए हैं। पकड़े गए शातिर- राहुल कुमार, नीरज कुमार, प्रदीप सिंह, सत्येंद्र, नीरज कुमार, प्रांशु, जगरूप, रोहित कुमार, पुष्पेंद्र सिंह, अजीत कुमार, कुलदीप, नरेश उर्फ विश्वनाथ, ज्ञान प्रकाश यादव, रोमी, नीरज, शैलेंद्र कुमार, नीरज कुमार, मलखान, शिवाकांत और पारस के रूप में हुई। फरार हुए शातिर-विजय, भोला, मधुर, दीपू उर्फ दरोगा, टाइगर उर्फ जितेंद्र, सोहित, मलखान, खुशवंती, प्रदुमन, शोभन, पंकज, अनिरुद्ध, अशोक, सर्वेश, दीपक और दिलीप है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

16 वीं मंजिल से गिरकर युवती की मौत का मामला

परिजनों ने अंतिम संस्कार से किया इनकार, सड़क पर लगाया जाम

प्रभात समय संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र के नीतिखंड स्थित जयपुरिया सनराइज ग्रीन्स सोसायटी में 16वीं मंजिल से मंगलवार को गिरकर जान गंवाने वाली युवती के परिजनों ने बुधवार को अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। युवती के कनावनी स्थित घर पर पुलिस फोर्स तैनात है। वहीं, आक्रोशित लोगों ने हंगामा किया। परिजनों ने हाइवे जाम कर दिया है। सीआईएसएफ मार्ग पूरी तरह जाम हो गया। मृतका के पिता सड़क पर ही बेहोश होकर गिर गए। युवती की बड़ी बहन ने बताया कि वह पुलिस से हादसे के समय की सीसीटीवी फुटेज देखने की मांग कर रहे हैं। वहीं आरोप है कि पुलिस उन पर शव का अंतिम संस्कार करने का दवाब बना रही है।

मालूम हो कि गाजियाबाद के इंदिरापुरम थानाक्षेत्र निवासी 18 वर्षीय युवती की मंगलवार तड़के करीब छह बजे सोसायटी की 16वीं मंजिल से संदिग्ध हालत में गिरकर मौत हो गई। हादसा अहिंसाखंड एक स्थित जयपुरिया सनराइज ग्रींस सोसायटी के सी ब्लॉक टावर में हुआ। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने बताया कि युवती के पिता सोसायटी में कार धुलाई और कपड़ों पर प्रेस करने का काम करते हैं। पिता की मदद के लिए युवती अपने भाई-बहन के साथ अक्सर सोसायटी में आती जाती थी। मंगलवार सुबह 5:30 बजे युवती अपने पिता के साथ सोसायटी पहुंची। पिता कार की सफाई करने चले गए। युवती सोसायटी के वॉशरूम में गई। वहां से सी ब्लॉक के सी टावर स्थित लिफ्ट में 5:53 बजे दाखिल हुई और 16वीं मंजिल पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों में युवती लिफ्ट में अकेली जाती दिखाई दी है। तड़के 5:55- 5:56 बजे पर सी ब्लॉक के बाहर दूसरे टावर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में युवती गिरते हुए दिखाई दी है।

क्विक न्यूज

खुसरोबाग-लूकरगंज रेलवे ओवरब्रिज पुनर्निर्माण के लिए 10 अप्रैल से बंद

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज जी.टी रोड स्थित (खुसरोबाग-लूकरगंज मार्ग) पर पानी की टंकी के समीप स्थित हावड़ा-दिल्ली रेल मार्ग (किमी 826/25-27, समपार संख्या 38-डी) के ऊपर बने पुराने क्षतिग्रस्त रेल उपरिगामी सेतु के स्थान पर नए सेतु का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को मई-2026 से प्रारम्भ होकर मई-2028 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। इस निर्माण के शुरू होने से एक माह पूर्व रेलवे द्वारा पुराने हिस्से को तोड़ने (डिस्मेंटलिंग) का कार्य किया जाएगा। अतः इस पुराने फ्लाईओवर पर सड़क यातायात का संचालन 10 अप्रैल से पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि रेलवे ने सभी नागरिकों एवं वाहन चालकों से अनुरोध किया है कि वे इस मार्ग के पूर्णतः बंद रहने के कारण वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। किसी असुविधा से बचने के लिए यातायात पुलिस द्वारा निर्धारित डायवर्जन का पालन करें।

हत्या के प्रयास के मामले में तीन नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जनपद के थाना लार पुलिस ने बुधवार को हत्या के प्रयास के एक मामले में कार्रवाई करते हुए तीन नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्राधिकारी सलेमपुर मनोज कुमार ने बताया कि डुमरी निवासी स्नेहा देवी ने तहरीर देकर बताया कि 06 अप्रैल की शाम उनके पति दो अन्य लोगों के साथ ब्रम्हभोज में शामिल होने जा रहे थे। उसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर आरोपितों ने अपने साथियों के साथ मिलकर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस घटना की शिकायत महिला ने पुलिस से की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना लार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्तों की तलाश शुरू कर दी। इसी क्रम में 08 अप्रैल को पुलिस टीम ने जय प्रकाश के पुत्र चंदन, शनि और अन्य व्यक्ति डेविड को गिरफ्तार कर लिया। इनके खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया है।-

शराब के नशे में गड्ढे में तैरने गए युवक की पानी में डूबकर मौत

नोएडा। थाना सेक्टर 126 क्षेत्र के सेक्टर 94 के पास एक सोसाइटी के निर्माण के लिए खोदे गए बेसमेंट के गड्ढे में भरे पानी में डूबने से 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई है। उसने अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी। उसके बाद वह गड्ढे में नहाने चला गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक सोमेश कुमार ने बताया कि हर्षित उम्र 23 वर्ष अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ बुधवार को सेक्टर 94 गया था। उसने अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी, तथा शराब का नशा होने के बाद वह पास में ही एक सोसाइटी बनाने के लिए खोदे गए बेसमेंट के गढ्ढे में भरे पानी में तैरने चला गया। उन्होंने बताया कि गहरे गड्ढे में तैरते समय वह पानी में डूब गया तथा उसकी मौत हो गई। उसके दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मृतक के परिजनों ने अभी तक पुलिस से कोई शिकायत नहीं की है।

गौ आश्रय केंद्रों में अव्यवस्थाएं, उपाध्यक्ष ने लगाई फटकार

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ला ने बुधवार को सदस्य दीपक गोयल के साथ मीरजापुर जिले के विकास खंड पहाड़ी क्षेत्र के सिंधोरा व लोकापुर गौ आश्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई खामियां मिलने पर अधिकारियों व कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। सिंधोरा गौ आश्रय केंद्र में 496 पशु मिले, जहां साफ-सफाई और रखरखाव की स्थिति खराब पाई गई। इस पर उपाध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए राजकीय पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुबाष सिंह से जवाब तलब किया। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उन्हें फटकार लगाई गई। साथ ही जिला पंचायत के इंजीनियर रामजी यादव व केंद्र संचालकों को निर्देश दिया कि नर-मादा पशुओं को अलग रखा जाए और बछड़ों के लिए अलग व्यवस्था की जाए। इसके बाद टीम लोकापुर अस्थाई गौ आश्रय केंद्र पहुंची, जहां 526 पशु मिले। यहां पशुओं को भूसे के बजाय पुआल खिलाए जाने पर नाराजगी जताते हुए बेहतर पोषण व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

सामाजिक सरोकारों की दिशा में पीयू की पहल बालिका संरक्षण गृह का किया शैक्षणिक भ्रमण

प्रभात समय संवाददाता

जौनपुर। यूपी के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एक सराहनीय पहल करते हुए राजकीय बालिका संरक्षण गृह, रामनगर (वाराणसी) का बुधवार को शैक्षणिक एवं संवेदनशील भ्रमण किया। यह कार्यक्रम राजभवन सचिवालय, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में कुलपति प्रो. वंदना सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।भ्रमण के दौरान विश्वविद्यालय की टीम ने बालिका गृह में रह रही बालिकाओं के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं–शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, मानसिक सुदृढ़ता और पुनर्वास का गहन अध्ययन किया। इस पहल का उद्देश्य न केवल व्यवस्थाओं का अवलोकन करना था, बल्कि यह भी समझना था कि विश्वविद्यालय पॉक्सो अधिनियम एवं अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में रह रही बालिकाओं के पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक सशक्तिकरण और कौशल विकास में किस प्रकार सहयोग कर सकता है।भ्रमण दल का नेतृत्व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने किया। उनके साथ उपकुलसचिव श्रीमती बबीता, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय, शोध छात्रा एवं वरिष्ठ नैदानिक मनोवैज्ञानिक पायल तथा दिवाकर शर्मा उपस्थित रहे।संरक्षण गृह की प्रभारी संगीता राय एवं परामर्शदाता दीपिका सिंह ने टीम का स्वागत करते हुए परिसर का विस्तृत निरीक्षण कराया और आवास, पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श सेवाओं, शैक्षणिक गतिविधियों व कौशल प्रशिक्षण की जानकारी दी।

प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं संगीता राय ने भविष्य में संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएं आयोजित करने पर सहमति जताई। यह पहल राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों द्वारा निभाए जा रहे सामाजिक दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है।

चुनार जंक्शन का महाप्रबंधक ने किया निरीक्षण, खामियों पर लगाई फटकार

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने बुधवार को चुनार जंक्शन का निरीक्षण कर अमृत भारत योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कई खामियां मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए गुणवत्ता व सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता न करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीआरएम रजनीश अग्रवाल भी मौजूद रहे। सुबह करीब सवा दस बजे स्टेशन पहुंचे महाप्रबंधक ने मुख्य भवन का निरीक्षण किया। प्लेटफॉर्म नंबर एक की ओर जाने वाले क्षतिग्रस्त रैंप को देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। साथ ही स्टेशन परिसर में चल रहे निर्माण कार्य, सफाई व्यवस्था और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। प्लेटफॉर्म नंबर चार व पांच के पास एफओबी के निकट बने विद्युत पैनल कक्ष के जीर्णोद्धार के निर्देश दिए। पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए वाटर बूथ की ऊंचाई बढ़ाने और नए बूथ जल्द तैयार कराने को कहा। डीईएन संजय चौधरी को कार्यों की निगरानी सख्त करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा प्लेटफॉर्म एक से पांच तक प्रस्तावित फुट ओवरब्रिज के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए महाप्रबंधक ने इसे समय पर पूरा कराने पर जोर दिया। स्टेशन यार्ड व अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण करते हुए ट्रेनों की गति और परिचालन क्षमता बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

बरेली परिक्षेत्र ने IGRS निस्तारण में प्रदेश में पाया पहला स्थान

प्रभात समय संवाददाता

बरेली। जनसुनवाई समाधान प्रणाली के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण में बरेली परिक्षेत्र ने प्रदेश में पहली रैंक हासिल की है। शासन द्वारा जारी मार्च 2026 की रैंकिंग में बरेली परिक्षेत्र उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा।

पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी के निर्देशन में बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर और पीलीभीत जनपदों ने संयुक्त रूप से यह उपलब्धि हासिल की। परिक्षेत्र के कुल 84 थानों को भी संयुक्त रूप से प्रदेश में पहला स्थान मिला है। बरेली जनपद के 28 थानों, बदायूं के 20 थानों, पीलीभीत के सभी 17 थानों और शाहजहांपुर के 19 थानों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। बरेली जिले में अलीगंज, महिला थाना, सुभाषनगर, इज्जतनगर, किला, बारादरी, भोजीपुरा, बहेड़ी, नवाबगंज, कोतवाली और कैंट समेत 28 थाने प्रथम स्थान पर रहे। वहीं बदायूं के कुवरगांव, बिनावर, दातागंज, बिल्सी, बिसौली, उझानी, कोतवाली और सिविल लाइंस समेत 20 थानों ने बेहतर प्रदर्शन किया। पीलीभीत के सभी 17 थानों ने रैंकिंग में जगह बनाई, जबकि शाहजहांपुर के महिला थाना, रामचंद्र मिशन, जलालाबाद, कलान, रोजा, निगोही, कांट और सदर बाजार सहित 19 थाने अव्वल रहे। डीआईजी अजय कुमार साहनी ने बताया कि शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण और समयसीमा का पालन करने के कारण यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि परिक्षेत्र कार्यालय में कार्यरत आईजीआरएस कर्मी उपनिरीक्षक शालू, कम्प्यूटर ऑपरेटर अमरेंद्र कुमार और आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

समाजवादी पार्टी के सांसद को मंडलीय अपीलीय फोरम से मिली बड़ी राहत

प्रभात समय संवाददाता

- ❐ जाति को लेकर दाखिल अपील को मंडलायुक्त एस.राजलिंगम ने किया खारिज

वाराणसी। लोकसभा चुनाव में अनुचित लाभ लेने के लिए अपनी जाति को अनुसूचित जाति का बताकर गलत हलफनामा दाखिल करने के मामले में बुधवार को राबर्ट्सगंज (सोनभद्र) सुरक्षित सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद छोटेलाल खरवार को बड़ी राहत मिल गई। मंडलीय अपीलीय फोरम के अध्यक्ष मंडलायुक्त एस. राजलिंगम एवं सदस्य अपर जिलाधिकारी चंदौली राजेश कुमार, उप निदेशक समाज कल्याण विभाग वाराणसी मंडल विजय प्रताप यादव, उपनिदेशक पिछड़ा कल्याण विभाग वाराणसी मंडल शरद प्रकाश श्रीवास्तव, उपनिदेशक मत्स्य विभाग वाराणसी मंडल सुरेश कुमार ने अनपरा, सोनभद्र निवासी अपीलार्थी इंद्रजीत की अपील को बलहीन और आधारहीन पाते हुए खारिज कर दिया। अदालत में सपा सांसद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, नरेश यादव, रोहित यादव व संदीप यादव ने पक्ष रखा।

प्रकरण के अनुसार इंद्रजीत ने मंडलीय अपीलीय फोरम में अपील दाखिल की थी। आरोप था कि लोकसभा निर्वाचन के समय सपा सांसद छोटेलाल खरवार ने अपने नामांकन पत्र के साथ दाखिल हलफनामे में अपना निवास स्थान सोनभद्र दर्शाया है। अतः ये खरवार बिरादरी और सोनभद्र निवासी होने के नाते अनुसूचित जाति नहीं, बल्कि अनुसूचित जनजाति के श्रेणी में आते हैं और चुनाव में अनुचित लाभ के लिए उन्होंने गलत हलफनामा दाखिल किया है। यह भी उल्लेखनीय है कि सपा सांसद छोटेलाल पुत्र स्व0 रामधनी कमकर, कहार बिरादरी से आते हैं। बताते चले चुनावी हलफनामे में तथ्यों को छिपाए जाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट भी छोटेलाल खरवार को पहले ही नोटिस जारी कर जवाब तलब कर चुका है । फर्जी जाति प्रमाण के जरिये चुनाव लड़ने के आरोपों पर हाईकोर्ट ने चंदौली के जिलाधिकारी को दस हफ्ते में फैसला लेने को कहा था।

गौरतलब हो कि सांसद छोटेलाल खरवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के निवासी है। जनपद चंदौली में खरवार जाति को अनुसूचित जाति की सूची में जगह दी गई है।

पुलिस विभाग को मिलेंगे 5 हजार नए सिपाही

प्रभात समय संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में जल्द ही 5 हजार नए सिपाही शामिल होंगे। इन सभी प्रशिक्षु सिपाहियों का प्रशिक्षण मुरादाबाद के 6 संस्थानों में चल रहा था। ट्रेनिंग के नोडल अधिकारी व पुलिस अधीक्षक यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बुधवार को बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी के ग्राउंड में 20 अप्रैल को पासिंग आउट परेड होगी। मुरादाबाद के पुलिस लाइन, पीटीसी, पीटीएस, नौवीं वाहिनी, 23वीं वाहिनी पीएसी और 24वीं वाहिनी पीएसी में करीब पांच हजार प्रशिक्षु सिपाहियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। इन छह संस्थानों में हजारों सिपाहियों ने कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। बाहरी और आंतरिक दोनों तरह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। अब सभी प्रशिक्षु सिपाही फाइल परीक्षाओं में व्यस्त हैं। इन परीक्षाओं के बाद ही उन्हें पुलिस बल में शामिल किया जाएगा। 20 अप्रैल को मुरादाबाद में पासिंग आउट परेड का आयोजन किया जाएगा। इस परेड के बाद यह सभी सिपाही पुलिस विभाग का हिस्सा बन जाएंगे। यह पुलिस बल के लिए एक महत्वपूर्ण दिन होगा। प्रशिक्षु सिपाहियों को पुलिस की विभिन्न बारीकियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और जनता के साथ व्यवहार जैसे विषय शामिल हैं।

उन्हें शारीरिक दक्षता और मानसिक दृढ़ता के लिए भी तैयार किया गया है। बाहरी प्रशिक्षण में ड्रिल, हथियार चलाने का अभ्यास और फील्ड ऑपरेशन शामिल थे।

वाराणसी में बारिश के मौसम के पहले नालों से कचरा हटेगा

- ❐ महापौर अशोक तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल कार्यों की करेंगे खुद मानिटरिंग
- ❐ अस्सी से सीर गोवर्धन क्षेत्र तक विभिन्न वार्डों का किया स्थलीय निरीक्षण

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में मानसून के मौसम के पूर्व नगर निगम ने नालों की सफाई, उसमें से कचरा हटाने और इससे क्षतिग्रस्त सड़कों का पैच वर्क कार्य को प्राथमिकता दिया है। इन कार्यों की मानिटरिंग महापौर अशोक कुमार तिवारी व नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल स्वयं कर रहे हैं। बुधवार को महापौर व नगर आयुक्त ने संयुक्त रूप से अस्सी और सीर गोवर्धन क्षेत्र के विभिन्न वार्डों का स्थलीय निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था की हकीकत जांची। नगर आयुक्त ने इस दौरान अस्सी व सीर क्षेत्र के प्रमुख नालों से कचरा हटाने के निर्देश भी दिए। मौके पर ही महापौर व नगर आयुक्त ने क्षतिग्रस्त सड़कों के पैच वर्क और मरम्मत कार्य की भी समीक्षा की। महापौर ने नगवां और आसपास के क्षेत्रों में नालों की सफाई का बारीकी से अवलोकन किया।उन्होंने अधिकारियों से दो टूक कहा कि मानसून आने से पहले सभी छोटे-बड़े नालों की सिल्ट पूरी तरह साफ कर ली जाए, ताकि बारिश के दौरान सड़कों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। इस दौरान उन्होंने जनता से क्षेत्र की साफ-सफाई, सड़कों की स्थिति और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया।

नागरिकों ने जल निकासी को लेकर कुछ सुझाव दिए, जिस पर महापौर ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। वहीं, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने विभागीय अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि निरीक्षण में पाई गई कमियों को अविलंब दूर कराने का निर्देश दिया। साथ ही लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। निरीक्षण के दौरान पार्षद अक्षवयर सिंह, सुरेश सिंह, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, मुख्य अभियंता आरके सिंह भी मौजूद रहे।

एलएसजी के खिलाफ व्यापक बदलाव कर सकता है केकेआर

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीज़न में कोलकाता नाइट राइडर्स की पहली जीत की तलाश तब सबकी नजरों का केंद्र होगी, जब वे गुरुवार को ईडन गार्डन्स में लखनऊ सुपर जायंट्स की मेजबानी करेंगे। यह मुकाबला दोनों टीमों की अलग-अलग फॉर्म, खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन और बढ़ते दबाव के बीच खेला जाएगा। कोलकाता और लखनऊ के बीच होने वाला यह मैच अब एक ऐसी कहानी बन गया है, जिसमें एक संघर्षरत टीम अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रही है, जबकि दूसरी टीम आईपीएल में ज़्यादा संतुलित और लय में नज़र आ रही है।

केकेआर के लिए, इस कहानी की मुख्य बातें हैं-जल्दबाज़ी और टीम के सभी 11 खिलाड़ियों के प्रदर्शन में लगातार उतार-चढ़ाव। बल्लेबाज़ी की शुरुआत में, अजिंक्य रहाणे ने सीजन की शुरुआत में 40 गेंदों पर 67 रन बनाकर उम्मीद जगाई थी, लेकिन उसके बाद खेली गई पारियों में उनका स्कोर गिरकर 6 गेंदों पर 8 और 16 रन रह गया है। फिन एलन ने एक मैच में 7 गेंदों पर 28 रन बनाकर अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी की झलक दिखाई थी और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी अच्छा है, भले ही अन्य मैचों में उनका कुल स्कोर 6 और 28 रन ही रहा हो। अंगकृष रघुवंशी टीम के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज़ रहे हैं; उन्होंने तीन पारियों में दो अर्धशतक लगाते हुए कुल 110 रन बनाए हैं, हालांकि अपने पिछले मैच में वे 7 गेंदों पर सिर्फ़ 7 रन ही बना पाए थे। कैमरन ग्रीन अब तक कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और तीन मैचों में सिर्फ़ 24 रन ही बना सके हैं।

मध्यक्रम में, रिंकू सिंह ने पिछले मैचों में 33 और 35 रन बनाकर लगातार टीम में अपना योगदान दिया है। निचले क्रम के बल्लेबाज़ों से ज़्यादा मदद न मिलने के बावजूद, वे टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज़ों में से एक रहे हैं। रमनदीप सिंह और अनुकूल रॉय अब तक कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं और उनके खाते में बहुत कम रन ही दर्ज हैं।

गेंदबाज़ी की बात करें तो, ब्लेसिंग मुजरबानी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं; उन्होंने एक मैच में 41 रन देकर 4 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। वैभव अरोड़ा ने 3 विकेट ज़रूर लिए हैं, लेकिन वे काफी महंगे साबित हुए हैं, वहीं कार्तिक त्यागी भी अपनी ऊँची इकॉनमी रेट (रन देने की दर) को लेकर संघर्ष करते नजर आए हैं। सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती के रूप में स्पिन गेंदबाज़ी के विकल्प टीम के लिए बेहद अहम हैं, लेकिन कुल मिलाकर टीम के गेंदबाज़ दो मैचों में सिर्फ़ 11 विकेट ही ले पाए हैं, जो उनके प्रदर्शन में आई निरंतरता की कमी को दर्शाता है। दूसरी ओर, लखनऊ की टीम अपनी हालिया जीत से मिली नई ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ इस मुकाबले में उतर रही है। टॉप पर, मिशेल मार्श ने दो पारियों में 49 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दी है, जबकि एडेन मार्करम काफी सहज दिखे हैं; उन्होंने 27 गेंदों में 45 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी आक्रामक रहा है। ऋषभ पंत ने पारी को बखूबी संभाला है; पिछले मैच में एक दुर्भाग्यपूर्ण रन-आउट के बाद, उन्होंने 50 गेंदों में नाबाद 68 रन बनाए। इससे यह साबित होता है कि वे दबाव को झेलने और मैच को फिनिश करने की काबिलियत रखते हैं। मिडिल ऑर्डर का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। निकोलस पूरन ने इस सीजन में अभी तक कोई बड़ी पारी नहीं खेली है, लेकिन केकेआर के खिलाफ उनका रिकॉर्ड काफी मजबूत रहा है। पिछले मुकाबलों में उन्होंने मैच जिताने वाली हाफ-सेंचुरी भी बनाई हैं। अब्दुल समद ने दो मैचों में कुल 52 रन बनाकर टीम में अपना योगदान दिया है, जबकि बाकी बल्लेबाजों का योगदान सीमित ही रहा है। गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद शमी का प्रदर्शन असाधारण रहा है। पिछले मैच में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए और बेहद किफायती गेंदबाजी की। उन्होंने अपनी सटीक और नियंत्रित गेंदबाजी से मैच का माहौल ही बदल दिया। आवेश खान ने पिछले मैच में 2 विकेट लिए, हालांकि उनकी इकॉनमी थोड़ी ज़्यादा रही। वहीं, प्रिंस यादव ने भी मैचों में कुल 2 विकेट लेकर अपना योगदान दिया है। दिग्विजय सिंह राठी को एक सहायक गेंदबाज के तौर पर इस्तेमाल किया गया है, लेकिन वे कभी-कभी काफी महंगे साबित हुए हैं। मणिमारन सिद्धार्थ और मुकुल चौधरी टीम को अतिरिक्त गहराई प्रदान करते हैं।

इस मुकाबले का मुख्य आकर्षण यह है कि केकेआर सीजन की शुरुआत में मिली हार के सिलसिले को तोड़कर अपनी लय वापस पाने की कोशिश करेगा, जबकि एलएसजी अपनी हालिया सफलताओं को भुनाते हुए एक मज़बूत और लय में चल रही टीम के साथ आगे बढ़ना चाहेगा। दोनों ही टीमों में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो या तो अपने बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं या फिर अपनी लय तलाश रहे हैं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स 2030 से वर्ल्ड मैराथन चैंपियनशिप शुरू करेगा

एजेंसी

पेरिस। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने मैराथन को मौजूदा वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फ़ॉर्मेट से अलग करने और 2030 से एक अलग वर्ल्ड मैराथन चैंपियनशिप शुरू करने की योजना बनाई है।

इस वैश्विक शासी निकाय ने मंगलवार को घोषणा की कि मैराथन 2027 और 2029 के संस्करणों में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप का हिस्सा बनी रहेगी, लेकिन 2030 से यह अपनी अलग चैंपियनशिप में शामिल हो जाएगी।

2031 से आगे, वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कोई भी रोड रनिंग इवेंट नहीं होगा। वर्ल्ड मैराथन चैंपियनशिप हर साल आयोजित की जाएगी, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की दौड़ बारी-बारी से अलग-अलग वर्षों में होगी। वर्ल्ड एथलेटिक्स रोड रनिंग चैंपियनशिप , जिसमें एक मील, 5 किलोमीटर और हाफ़-मैराथन की दूरियाँ शामिल हैं, एक अलग वार्षिक इवेंट के तौर पर जारी रहेगी।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के अनुसार, 2030 में वर्ल्ड मैराथन चैंपियनशिप के पहले संस्करण की मेज़बानी के लिए एथेंस को पसंदीदा स्थान के तौर पर चुना गया है।

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों का कब्जा

एजेंसी

गुवाहाटी 08 अप्रैल (वार्ता) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाड़ियों को कब्जा जमा लिया हैं। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) सलामी के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 11-ओवर के मैच में मात्र 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोक डाले। इस पारी के साथ टूर्नामेंट में तीन पारियों में उनके 170 रन हो गए हैं और अब उनके पास ऑरेंज कैप है।

मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जायसवाल की विस्फोटक पारी ने उन्हें समीर रिजवी के रनों से दस रन आगे पहुंचा दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के इस बल्लेबाज ने दो मैच जिताने वाली पारियों के साथ सीजन की शानदार शुरुआत की है और वह 160 रन पर हैं। उन्होंने हालिया मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 90 रन बनाए थे।

अब तक छह अन्य बल्लेबाज़ भी 100 रन के पार पहुंच चुके हैं, जिनमें हाइनरिक क्लासन (सनराइजर्स हैदराबाद), वैभव सूर्यवंशी (आरआर) और रोहित शर्मा (एमआई) शामिल हैं।

वहीं पर्पल कैप की बात की जाये आरआर आरआर का ही एक खिलाड़ी रवि बिश्नोई आगे है। एमआई के खिलाफ दो ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लेने के बाद उनके कुल विकेट सात हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 41 रन देकर 4 विकेट लिए थे। अब चार अन्य गेंदबाज दूसरे स्थान पर बराबरी पर हैं, जिनके पांच-पांच विकेट हैं- विजयकुमार वैशाक (पंजाब किंग्स), अंशुल कंबोज (चेन्नई सुपर किंग्स), नांद्रे बर्गर (आरआर) और जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)।

सिनर और अल्काराज ने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत जीत के साथ की

मोनाको। जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक स्थान के लिए अपनी होड़ जारी रखी, क्योंकि उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। बिना कोई सेट गंवाए 'सनशाइन डबल' पूरा करने के बाद, सिनर को फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो हम्बर्ट को 6-3, 6-0 से हराने में सिर्फ़ 64 मिनट लगे - उन्होंने दूसरे सेट में सिर्फ़ छह पॉइंट गंवाए। यह इस इतालवी दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की लगातार 18वीं मास्टर्स 1000 जीत थी, जिसने अब इस स्तर पर लगातार 36 सेट जीते हैं। अगर सिनर मोनाको में जीत हासिल करते हैं, तो सोमवार को रैंकिंग अपडेट होने पर वह अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने मंगलवार को बाद में, क्ले पर छह बार के एटीपी टूर चैंपियन, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज के खिलाफ़ 70 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की।

आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड नंबर 7 को सीधे गेम्स में हराकर चौंकाया

एजेंसी

निंगबो (चीन)। भारत के उभरते बैडमिंटन स्टार आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए, वर्ल्ड नंबर 7 और हांगकांग ओपन 2025 के चैंपियन चीन के ली शी फेंग को सीधे गेम्स में 21-13, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

दोनों गेम्स में पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ली की मजबूत शुरुआत के बावजूद, इस युवा भारतीय खिलाड़ी ने बाद के चरणों में अपना दबदबा बनाया और प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पहले गेम में, आयुष ने शुरुआत में ही वापसी करते हुए स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया, जबकि 7-7 तक ली को थोड़ी बढ़त हासिल थी। वहां से, यूएस ओपन 2025 के चैंपियन ने मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण बना लिया और घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी को पछाड़ते हुए पहला गेम 21-13 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम भी लगभग इसी पैटर्न पर चला, जिसमें ली ने शुरुआत में दबाव बनाया और मध्य चरण तक बढ़त बनाए रखी। हालांकि, आयुष ने 13-13 के स्कोर पर अपनी रणनीति बदलते हुए कई बार स्कोर बराबर किया। इस युवा खिलाड़ी ने लगातार छह अंक हासिल करते हुए बढ़त बना ली और 51 मिनट में 21-16 के स्कोर के साथ मैच अपने नाम कर लिया। अब अगले मुकाबले में आयुष का सामना चीनी ताइपे के ची यू जेन से होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला खिलाड़ियों की कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी की

सिडनी। उभरती हुई तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन और क्लोई आइन्सवर्थ को 2026-27 सीजन के लिए राष्ट्रीय महिला कॉन्ट्रैक्ट दिए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने कई बड़े टी20 टूर्नामेंट से पहले अपनी तेज गेंदबाज़ी की ताकत को और मजबूत किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को 18 खिलाड़ियों की एक लिस्ट जारी की, जिसमें पिछले साल के मुकाबले तीन नए नाम जोड़े गए हैं। इसमें तस्मानिया की ऑलराउंडर निकोला कैरी की भी राष्ट्रीय कॉन्ट्रैक्ट में वापसी हुई है। हैमिल्टन को अपना पहला राष्ट्रीय कॉन्ट्रैक्ट तब मिला, जब उन्होंने मार्च में सिर्फ़ 23 दिनों के अंदर क्रिकेट के सभी फ़ॉर्मेट में डेब्यू किया। 19 साल की इस बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ने, जिन्होंने 2025 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम की कप्तानी की थी, होबार्ट में भारत के खिलाफ़ तीसरे वनडे में पहली बार ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के लिए मैच खेला। इसके कुछ ही दिनों बाद वाका मैदान पर उन्हें उनकी 'बैगी ग्रीन' कैप दी गई।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना: 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक ऋण वितरित

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने बुधवार को लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को सशक्त बनाने के 11 वर्ष पूरे कर लिए। पीएमएमवाई ने 57.79 करोड़ ऋणों के माध्यम से 40.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया, जिससे लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों के लिए ऋण इकोसिस्टम मजबूत हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 8 अप्रैल, 2015 को इसकी शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) का उद्देश्य वित्तीय पहुंच में वर्तमान अंतर को कम करना है, जिसके तहत गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि आय सृजन गतिविधियों के लिए लघु व्यवसायों को समर्थन देने के लिए 20 लाख रुपये तक के सरल, आसान और बिना गारंटी वाले ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले दशक में भारत ने एक ऐसा परिवर्तन देखा है, जहां करोड़ों आम नागरिकों ने नए आत्मविश्वास और सक्रियता के साथ उद्यमशीलता के क्षेत्र में कदम रखा है। सीतारमण ने कहा कि 11 बाद यह योजना देश में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और अनगिनत व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए ऋण परिदृश्य को नया रूप देने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है।

वित्त मंत्री ने लाखों लोगों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास के दृष्टिकोण को साकार करने में पीएमएमवाई की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि कुल मिलाकर 57.79 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 40.07 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को स्वीकृत किए गए हैं। उनहोंने कहा कि लगभग एक-पांचवां हिस्सा पहली बार उद्यम शुरू करने वाले उद्यमियों को दिया गया है। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो नए उद्यमियों को 12 लाख करोड़ रुपये की राशि के साथ 12.15 करोड़ ऋण दिए गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम मुद्रा योजना उद्यमियों को सशक्त बनाना जारी रखेगी, ताकि वे 2047 तक विकसित भारत बनने की हमारी राष्ट्र की यात्रा में सक्रिय भागीदार बन सकें।

इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सूक्ष्म उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक है। पीएमएमवाई छोटे उद्यमियों को बैंकों, गैर-सरकारी वित्तीय संस्थानों (एनबीएफसी) और लघु एवं शिशु वित्त संस्थानों (एमएफआई) से ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जिससे ऋण समावेशन को बढ़ावा मिलता है। चौधरी ने कहा कि इस योजना ने पूरे देश में विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों, जिनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ऋण लाभार्थियों का 51 फीसदी और महिलाएं (ऋण लाभार्थियों का 67 फीसदी) शामिल हैं, उनके लिए स्वरोजगार के अवसरों का सृजन किया है।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, ब्रेंट क्रूड का भाव 91.88 डॉलर प्रति बैरल

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के ईरान के साथ अस्थायी सीजफायर की घोषणा के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड करीब 91.88 डॉलर प्रति बैरल तक आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 91.05 डॉलर पर पहुंच गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 16 फीसदी यानी 17.39 डॉलर गिरकर 91.88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड करीब 20 फीसदी यानी 21.90 डॉलर टूटकर 91.05 डॉलर पर पहुंच गया है। हालांकि, ये कीमतें अभी भी पश्चिम एशिया संकट शुरू होने से पहले के स्तर से ज्यादा हैं। विश्लेषकों का कहना है कि कच्चे तेल में यह गिरावट कितनी टिकेगी, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सीजफायर कितनी मजबूती से लागू होता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होती है या नहीं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर संभावित हमले को दो हफ्तों के लिए टालने का फैसला किया है, जिससे वैश्विक बाजारों में राहत दिखी। इसमें होर्मुज जल-डमरू-मध्य को आवाजाही के लिए फिर से खोलने की प्रतिबद्धता भी शामिल है। इस घोषणा के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई और शेयर बाजारों में तेज उछाल दर्ज हुआ है।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई 4.6 फीसदी रहने का जताया अनुमान

एजेंसी

मुंबई। पश्चिम एशिया संकट के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा महंगाई दर 4.6 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया है। यह रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे के अंदर हैं। हालांकि, सरकार ने केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति को दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट से पहले भारत के वृहद आर्थिक बुनियादी तत्व मजबूत दिख रहे थे और आर्थिक वृद्धि दर बेहतर एवं महंगाई कम रहने का आकलन किया जा रहा था। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा कि अप्रैल-जून की पहली तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर चार प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं, दूसरी तिमाही में इसके 4.4 फीसदी, तीसरी तिमाही में 5.2 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.7 फीसदी रहने का अनुमान है।

आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने समीक्षा में पाया कि पिछली नीतिगत बैठक के बाद से भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं काफी बढ़ गई हैं। कुल मिलाकर महंगाई दर नियंत्रण में है और लक्ष्य से नीचे है। हालांकि, महंगाई के परिदृश्य के ऊपर जाने का जोखिम बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि इसका कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव और मौसम में बदलाव है, जिसकी वजह से खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर असर पड़ सकता है। संजय मल्होत्रा ने साथ ही कहा कि अर्थव्यवस्था को आपूर्ति में झटके का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि बदलते हालात आर्थिक वृद्धि तथा महंगाई के बदलते दृष्टिकोण पर नजर रखना समझदारी होगी। इसी को देखते हुए एमपीसी ने अपनी समीक्षा में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर ही बनाए रखने का फैसला किया है। खुदरा महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 3.21 फीसदी हो गई थी। फरवरी महीने के महंगाई के आंकड़े नई उपभोक्ता मूल्य श्रृंखला पर आधारित थे, जिसका आधार वर्ष 2024 है।

युद्ध विराम की घोषणा से सेंसेक्स 2,946 अंक उछला

एजेंसी

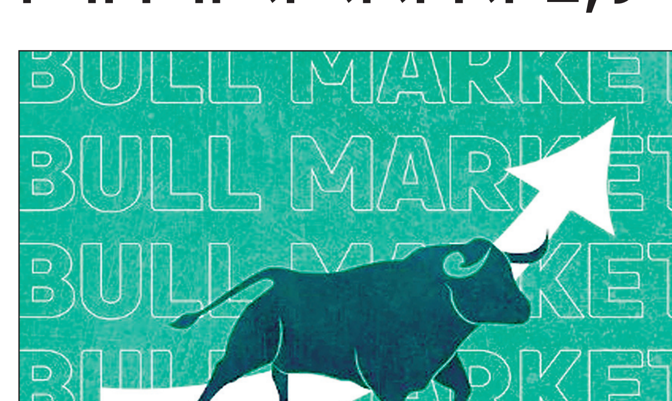

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम की घोषणा से बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और बीएसई का सेंसेक्स चार फीसदी के करीब उछल गया।

सेंसेक्स की शुरुआत सुबह 2,674 अंक की मजबूती के साथ हुई। पूरे दिन यह 2,300 अंक से अधिक की बढ़त में रहा और अंत में 2,946.32 अंक (3.95 प्रतिशत) ऊपर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 873.70 अंक यानी 3.78 फीसदी की तेजी में 23,997.35 अंक पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 10 मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है।

अमेरिका और ईरान में दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम पर सहमति बनी है। इससे दुनिया भर में निवेश धारणा मजबूत हुई और शेयर बाजारों में तेजी रही।

चौतरफा लिवाली के बीच ऑटो सेक्टर का सूचकांक साढ़े छह प्रतिशत से अधिक चढ़ा। रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों के लिए राहत के उपायों की घोषणा से बैंकिंग सेक्टर का सूचकांक साढ़े पांच प्रतिशत से ज्यादा मजबूत हुआ। रियलटी में पौने सात फीसदी की और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह में पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। धातु और मीडिया समूहों के सूचकांक भी ढाई से तीन प्रतिशत तक चढ़े।

मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 4.09 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 4.39 फीसदी की बढ़त में रहा।

सेंसेक्स की कंपनियों में इंडिगो का शेयर आठ फीसदी से ज्यादा उछल गया। एलएंडटी में साढ़े सात प्रतिशत और बजाज फाइनेंस में सात प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन के शेयर छह से सात प्रतिशत चढ़े।

बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक और इटरनल के शेयर पांच से छह फीसदी ऊपर बंद हुए। कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील में तीन से चार फीसदी की तेजी देखी गयी।

भारतीय स्टेट बैंक और ट्रेंट के शेयर दो से तीन प्रतिशत तक चढ़े। हिंदुस्तान यूनीलिवर, भारतीय एयरटेल, एनटीपीसी, आईटीसी और बीईएल के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच मजबूत हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस और इंफोसिस में भी तेजी रही।टेक महिंद्रा का शेयर डेढ़ फीसदी टूट गया।

सारधा चिटफंड प्रमुख सुदीप्त सेन 13 वर्ष बाद निकलेंगे जेल से बाहर

सभी मामलों में मिली जमानत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित सारधा चिटफंड घोटाले के मुख्य आरोपित सुदीप्त सेन को सभी लंबित मामलों में जमानत मिल गई है और लगभग 12 वर्ष और 11 माह जेल में रहने के बाद उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। फिलहाल वह कोलकाता के प्रेसिडेंसी जेल में बंद हैं और संभावना है कि वह गुरुवार को रिहा हो सकते हैं। लकत्ता उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज की खंडपीठ ने बुधवार को राज्य पुलिस के अधीन दो मामलों में भी उन्हें जमानत दे दी। इसके साथ ही उनके जेल से बाहर आने में कोई कानूनी बाधा नहीं रह गई है। हालांकि, अदालत ने जमानत के साथ कुछ शर्तें भी लगाई हैं।

बताया गया है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के पास कुल 76 मामले थे, जिनमें सुदीप्त सेन को पहले ही जमानत मिल चुकी थी। इसके अलावा बारासात थाने के दो मामलों में वह अब तक जेल में थे और इन्हीं मामलों में जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई संभव हो पाई है।

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि सारधा समूह के खिलाफ कुल 389 मामले दर्ज हुए थे। सुदीप्त सेन को 27 अप्रैल, 2013 को बिधाननगर थाने में दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में केंद्रीय एजेंसी ने 76 मामलों की जांच अपने हाथ में ली और कई मामलों में आरोपपत्र दाखिल किया गया। शेष मामलों में राज्य पुलिस ने कार्रवाई की। बताया गया कि केंद्रीय एजेंसियों के मामलों में जमानत मिलने के बावजूद राज्य पुलिस के अधीन 308 मामलों में से दो मामलों के कारण उनकी रिहाई अटकी हुई थी। बुधवार को उच्च न्यायालय में सुनवाई के बाद उन मामलों में भी जमानत दे दी गई। इस बीच तृणमूल कांग्रेस के नेता और बेलियाघाटा सीट से उम्मीदवार कुणाल घोष ने कहा कि किसी को जमानत मिलना या नहीं मिलना पूरी तरह अदालत का विषय है और यह कानून की प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सुदीप्त सेन ने जमानत की अर्जी दी थी और अदालत ने उसे मंजूर किया है, इसलिए इस पर अलग से टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है।

उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2013 में सारधा घोटाला सामने आने के बाद सुदीप्त सेन अपनी सहयोगी देवयानी मुखर्जी के साथ कश्मीर के सोनमर्ग में छिप गए थे। उसी वर्ष उन्हें वहां से गिरफ्तार किया गया था। तब से दोनों जेल में थे, हालांकि 2023 में देवयानी मुखर्जी को कुछ घंटों के लिए पैरोल मिली थी। सारधा निवेश योजना के खिलाफ राज्य के विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में शिकायतें दर्ज हुई थीं। बाद में सीबीआई ने भी जांच शुरू की। इसके अलावा प्रवर्तन निदेशालय और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भी सुदीप्त सेन के खिलाफ मामले दर्ज किए थे।

खरगे और खेड़ा मामले में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, चिब बोले– डरेंगे नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल और पार्टी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा को दलित विरोधी बताया।

युवा कांग्रेस के आज यहां जंतर-मंतर पर किए गए प्रदर्शन में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान इन कार्यकर्ताओं ने हाथों में पोस्टर पकड़ रखे थे। प्रदर्शन के दौरान उदय भानु चिब ने हिमंता बिस्वा सरमा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा ने हिमंता के भ्रष्टाचार को दुनिया के सामने लाने का काम किया। इसी वजह से भाजपा पवन खेड़ा को पकड़ने के लिए उनके घर पुलिस भेज रही है।

उल्लेखनीय है कि पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर संयुक्त अरब अमीरात, एंटीगुआ-बारबुडा और मिस्त्र में चालू पार्सपोर्ट और दुबई, अमेरिका में बिना चुनाव आयोग को बताए हजारों करोड़ की संपत्ति रखने का आरोप लगाया था। उनके आरोपों पर मुख्यमंत्री की पत्नी ने एफआईआर दर्ज कराई थी। जिस पर असम पुलिस खेड़ा को ढूंढते हुए दिल्ली के उनके आवास पर छापेमारी की। हालांकि खेड़ा पुलिस को नहीं मिले।

केन्द्र ने राजस्थान के बालोतरा पेट्रोकेमिकल परियोजना की लागत और निवेश में की बढ़ोत्तरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने एचपीसीएल की राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में बन रही राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) की लागत और उसमें इक्विटी निवेश में संशोधन किया है। संशोधित परियोजना लागत अब 79,459 करोड़ रुपये की गई है। परियोजना से भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र की आयात पर निर्भरता कम होगी। परियोजना के 1 जुलाई, 2026 को वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज संशोधन को मंजूरी दी। परियोजना की लागत पहले 43,129 करोड़ रुपये थी। वहीं, परियोजना में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) भी 8,962 करोड़ रुपये का अतिरिक्त इक्विटी निवेश करेगा।

मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इससे ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी, पेट्रोकेमिकल्स के लिए आयात पर निर्भरता कम होगी और घरेलू विनिर्माण क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। इससे इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय कच्चे तेल का उपयोग होगा और भारत एक रिफाइनिंग हब के रूप में स्थापित होगा। इससे रोज़गार के महत्वपूर्ण अवसर (लगभग 25,000 नौकरियाँ) पैदा होंगे और समग्र आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा स्थित एचआरआरएल एक 90 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) की क्षमता वाला ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स है।

दो माह 'ग्राउंडेड' रहने के बाद अब फिर से उड़ान भर सकेंगे तेजस लड़ाकू जेट

❒ तकनीकी गड़बड़ी मिलने के बाद विमान के ब्रेक सॉफ्टवेयर को किया गया अपग्रेड

एजेंसी

नई दिल्ली। लगभग दो महीने तक जमीन पर खड़े रहने के बाद अब फिर से तेजस लड़ाकू जेट उड़ान भर सकेंगे। लगातार तीन दुर्घटनाओं के बाद 'ग्राउंडेड' किये गए विमानों की जांच में कई खामियां मिली थीं, जिन्हें ठीक किये जाने के बाद वायु सेना ने उड़ान भरने की मंजूरी दी है। उड़ान पर रोक के चलते ही इसी साल 27 फरवरी को पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में हुए 'वायु शक्ति' अभ्यास में स्वदेशी तेजस मार्क-1 शामिल नहीं हो पाया था।

दरअसल, 07 फरवरी को एक तेजस विमान पश्चिमी मोर्चे के एक फॉरवर्ड बेस से टेक ऑफ करते समय रनवे से फिसलकर पास की मिट्टी की खाई में जा गिरा था। सिंगल-सीटर एयरक्राफ्ट का पायलट बच गया, लेकिन उसे चोटें आईं थी। इसी दुर्घटना के बाद भारतीय वायु सेना ने अपने तेजस लड़ाकू जेट बेड़े को जमीन पर रोक दिया, क्योंकि यह तेजस विमान की तीसरी दुर्घटना थी। इससे पहले पहली दुर्घटना मार्च 2024 में जैसलमेर के पास हुई थी, जब पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में हुए 'वायु शक्ति' अभ्यास में प्रदर्शन करके लौटते समय क्रैश हो गया था। दूसरा क्रैश नवंबर 2025 में हुआ था, जब जेट दुबई एयरशो में एक एरोबैटिक डिस्प्ले में शामिल था। इस दुर्घटना में पायलट की मौत हो गई थी। भारतीय वायु सेना ने इसके बाद लगभग 35 एकल सीट वाले तेजस हल्के लड़ाकू विमानों के अपने पूरे बेड़े को विस्तृत तकनीकी जांच के लिए जमीन पर रोक दिया, ताकि इसकी जांच करके प्रणालीगत दोष दूर किये जा सकें। ऐसी जांच आमतौर पर तब की जाती है, जब किसी संभावित तकनीकी खराबी का शक हो। जांच के दौरान वायु सेना और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की कमेटी ने पाया कि विमान के ब्रेक सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी की वजह से यह हादसा हुआ। विमान के ब्रेकिंग सॉफ्टवेयर में सुधार की जरूरत थी, जो किया गया। एचएएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक डीके सुनील ने बताया कि फ्लीट की पूरी जांच में पहियों को पकड़ने वाले अंडर-कैरिज की मेटलर्जी, ब्रेक लगाने के लिए इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक सिस्टम और सॉफ्टवेयर की समीक्षा की गई। आधुनिक जेट लड़ाई और उड़ान के लिए अपने ऑन-बोर्ड मिशन कंप्यूटर पर बहुत ज़्यादा निर्भर करते हैं। इसमें कंप्यूटर-एडेड फायरिंग, टारगेटिंग, रडार सिग्नेचर की प्रोसेसिंग और ऑपरेशन शामिल हैं। विमान को नए सॉफ्टवेयर कोड सीक्वेंस की जरूरत नहीं थी, इसलिए सिर्फ अपग्रेड किया गया है। सॉफ्टवेयर को ठीक और अपडेट करने के बाद फ्लीट को फिर से उड़ान भरने देने से पहले कई तरह के परीक्षण किये गए हैं। इसके बाद वायु सेना ने फाइटर जेट्स को उड़ान भरने की मंजूरी दे दी है।

जावेद अख्तर ने दो फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखी, जल्द होगा फिल्म का निर्माण

एजेंसी

पटना। बॉलीवुड के जानेमाने गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने बताया कि उनकी दो फिल्मों की स्क्रिप्ट पूरी हो गयी है,जिसपर जल्द ही फिल्में बनायी जायेगी। जावेद अख्तर ने मंगलवार की रात राजधानी पटना में आयोजित 'किताब उत्सव' के समापन समारोह में अपनी किताब 'सीपियां' के सन्दर्भ में चर्चा की। इस किताब में जावेद अख़्तर ने कबीर, तुलसी, रहीम, वृंद सहित अनेक कवियों द्वारा रचित चुनिंदा दोहों की सरल भाषा में व्याख्या की है।

जावेद अख्तर को फिल्म इंडस्ट्री में आये हुये साढ़े पांच दशक से अधिक का समय हो गया है। उन्होंने अपने सिने करियर की शुरूआत सत्तर के दशक में शुरू की। उन्होंने सलीम खान के साथ मिलकर शोले, दीवार, जंजीर, सीता और गीता, त्रिशूल ,डॉन, क्राति, शक्ति, अंदाज और मिस्टर इंडिया समेत कई सुपरहिट फिल्मों की कहानी, पटकथा और संवाद लिखे हैं। वर्ष 1987 में प्रदर्शित फिल्म मिस्टर इंडिया के बाद सलीम-जावेद की सुपरहिट जोड़ी अलग हो गयी। इसके बाद भी जावेद अख्तर ने फिल्मों के लिये संवाद और कहानी लिखने का काम जारी रखा।जावेद अख्तर ने लंबे अरसे से किसी फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं लिखी है।

जावेद अख्तर ने बताया कि हाल ही में उन्होंने दो फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखी है, जिसपर जल्द काम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 में प्रदर्शित उनके पुत्र फरहान अख्तर की फिल्म लक्ष्य की स्क्रिप्ट लिखने के बाद उन्होंने यह काम छोड़ दिया।उन्होंने बताया कि कोरोना काल के दौरान उन्होंने दो फिल्मों की स्क्रिप्ट पर काम शुरू किया, जो अब पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि वह अपने दोनों बच्चे फिल्मकार फरहान अख्तर और जोया अख्तर को इन फिल्मों की स्क्रिप्ट सुनायेंगे। यदि उन्हें ये स्क्रिप्ट पसंद आती है तो जल्द ही इस पर फिल्में बनायी जायेगी। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि यदि उनके बच्चों को स्क्रिप्ट पसंद नहीं आती है तो वे दूसरे निर्माताओं के पास जायेंगे और उन्हें उनकी स्क्रिप्ट पर फिल्म बनाने को कहेंगे।

जावेद अख्तर ने वर्ष 1981 में निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा की कालजयी फिल्म सिलसिला से बतौर गीतकार काम करना शुरू किया। फिल्म ''सिलसिला'' में जावेद अख्तर के गीत ''देखा एक ख्वाब तो सिलसिले हुये और ये कहां आ गये हम..'' श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुये। फिल्म सिलसिला में अपने गीत की सफलता के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने एक से बढ़कर एक गीत लिखकर जन जन के हृदय के तार झनझनाये। हालांकि अब जावेद अख्तर ने फिल्मीं गीत लिखने कम कर दिये हैं।

जावेद अख्तर ने बताया कि आजकल के गानों में कोई गहराई नहीं रही। उन्होंने कहा कि एक पेशे के तौर पर बतौर गीतकार उन्होंने काफ़ी काम कर लिया है। उन्होंने कहा कि आजकल की परिस्थिति उनके अनुकूल नहीं है, इसलिए भी वह फ़िल्मों से दूरी बना लेते हैं। उन्होंने चोली के पीछे क्या है और सरकाई लो खटिया जाड़ा लगे, जैसे फूहड़ गानों का जिक्र करते हुये कहा कि नब्बे के दशक में उन्हें कई बड़े बजट की फिल्मों में इस तरह के गीत लिखने के प्रस्ताव मिले, लेकिन उन्होंने इस तरह के गीत लिखने से इंकार कर दिया।

संजय लीला भंसाली का बड़ा फैसला: 'लव एंड वॉर' के सेट पर मोबाइल फोन ले जाने पर लगी पाबंदी

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मकार संजय लीला भंसाली ने अपनी आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' के सेट पर मोबाइल फोन ले जाने पर पाबंदी लगा दी है,जिससे कोई बात लीक न हो सके। संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' इस साल की सबसे बड़ी और मोस्ट-अवेयटेड फिल्मों में से एक है। बॉलीवुड के तीन बड़े सुपरस्टार्स रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट को पहली बार एक साथ पर्दे पर लाना, भंसाली की तरफ से एक और शानदार सिनेमाई धमाका होने वाला है।

फिल्म की एक झलक पाने के लिए बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच, मेकर्स इस बात का पूरा ख्याल रख रहे हैं कि सब कुछ सख्त निगरानी में रहे, जिससे फिल्म से जुड़ी कोई भी चीज लीक न हो। अब सेट पर मोबाइल फोन ले जाने की इजाजत नहीं है।

इंडस्ट्री के एक सूत्र का कहना है, ह्लसिर्फ नो डिस्क्लोज़र एग्रीमेंट ही नहीं, भंसाली की 'लव एंड वॉर' की टीम लीक रोकने के लिए एक्स्ट्रा कदम उठा रही है। सेट पर फोन अलाउड नहीं हैं और हर मेंबर को अंदर जाने से पहले अपना डिवाइस जमा करना पड़ता है। इससे सेट को देखने की उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई है।ङ्क

संजय लीला भंसाली जैसे डायरेक्टर जब कमान संभालते हैं, जो अपनी बारीक कहानी, भव्य फ्रेम्स और इमोशन्स से भरी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, तो उम्मीदें अपने आप आसमान छूने लगती हैं। ऐसे में इंडस्ट्री के तीन सबसे भरोसेमंद और टैलेंटेड कलाकार जब भंसाली के शानदार डायरेक्शन के साथ मिलते हैं, तो फिल्म के स्केल और इसकी कहानी को लेकर चर्चा और भी ज्यादा बढ़नी लाजमी है।

ऑडियंस के चहेते बन चुके हैं राघव जुयाल

एजेंसी

नितेश तिवारी की दो पार्ट्स में बन रही मल्टीस्टारर फिल्म 'रामायण' के लिए विक्रांत मैसी का नाम रावण के बेटे 'मेघनाद' के किरदार के लिए सामने आया था। इसे लेकर मेकर की उनके साथ बात चल रही थी। लेकिन अब खबरें हैं कि इस किरदार के लिए 'किल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' फ़ेम राघव जुयाल का नाम फायनल किया जा चुका है। जब विक्रांत मैसी के साथ बात नहीं बनी, तब मेकर्स ने राघव जुयाल को एप्रोच किया था।

अब राघव जुयाल अगले साल दीवाली पर रिलीज होने वाले इसके दूसरे पार्ट में 'मेघनाद' का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। राघव जल्दी ही इस किरदार के लिए शूटिंग शुरू करेंगे। डांसर से अभिनेता बने राघव जुयाल आर्यन खान की सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के बाद तेलुगु सिनेमा के नेचुरल स्टार नानी के साथ 26 मार्च को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, अंग्रेजी और स्पेनिश कुल आठ भाषाओं, में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही फिल्म 'द पैराडाइज' में नजर आएंगे। इसके जरिए राघव तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं।

एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी व्दारा निर्मित फिल्म 'द पैराडाइज' में राघव जुयाल विलेन के रोल में हैं।

अल्लू अर्जुन ने अपनी फिल्म 'राका' का टाइटल जारी किया

एजेंसी

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर एटली के साथ अपनी अगली बड़ी फिल्म 'राका' का टाइटल जारी किया है। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी अगली एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ धमाका करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह एटली के साथ काम कर रहे हैं और दीपिका पादुकोण भी उनके साथ नजर आएंगी। यह एक भव्य, अल्लू अर्जुन के नेतृत्व वाली ब्लॉकबस्टर फिल्म बनने जा रही है।

अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी शानदार पकड़ और दमदार फैन फॉलोइंग से पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। उनके हर नए प्रोजेक्ट का अपडेट दुनिया भर के फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। अल्लू अर्जुन हमेशा अपने फैंस को बड़े सरप्राइज देने के लिए जाने जाते हैं, और इस बार भी कुछ अलग नहीं है।

अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन के मौके पर एटली के साथ अपनी अगली फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया और साथ ही इसका टाइटल भी बताया।पोस्टर और टाइटल शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ह्लफ्फएए 22ब्ए 6 अब फ्राका है।खुद को एक नई और अनोखी दुनिया के लिए तैयार कर लें।

पोस्टर में अल्लू अर्जुन का एक बेहद चौंकाने वाला और पूरी तरह बदला हुआ लुक देखने को मिलता है। उनका यह अवतार पहले कभी नहीं देखा गया। एक भेड़िए जैसी फर वाली हाथ की आकृति, बड़े नुकीले पंजों के साथ उनके चेहरे का एक हिस्सा ढकती हुई नजर आती है, जबकि उनकी काजल से सजी तीखी आंखें ध्यान खींचती हैं। आधे गंजे और रफ हेयरस्टाइल के साथ 'राका' टाइटल का खुलासा, इस लुक को और भी दमदार और रहस्यमयी बनाता है। यह साफ करता है कि फिल्म एक बड़े सिनेमाई अनुभव देने वाली है।कुछ ऐसा जो सिर्फ अल्लू अर्जुन ही कर सकते हैं।

यह एक बड़ा बदलाव है, खासकर उस स्टार के लिए जो हमेशा नई सीमाएं पार करने के लिए जाना जाता है। ऐसा लुक भारत ही नहीं, दुनिया भर में पहले कभी नहीं देखा गया। पोस्टर में डार्क बैकग्राउंड से निकलता हुआ भेड़िए जैसा हाथ और उसके तेज पंजे फिल्म के इंटेंस और रोमांचक माहौल को और मजबूत करते हैं।

सबसे बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक 'पुष्पा' की ऐतिहासिक सफलता के बाद उम्मीदें पहले से ही बहुत ऊंची थीं। लेकिन अपने करियर के शिखर पर भी सुरक्षित खेलने के बजाय, अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सबसे अलग हैं और एक सच्चे पैन-इंडिया सुपरस्टार हैं।

इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, यह फिल्म पहली बार अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण को एक साथ लाती है। यह दो बड़े सितारों का साथ आना है, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और पैन-इंडिया अपील के लिए जाने जाते हैं। दोनों की जोड़ी इस फिल्म को एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए तैयार है, जहां टैलेंट, स्केल और स्टार पावर का जबरदस्त मेल देखने को मिलेगा।

अल्लू अर्जुन का यह नया अवतार सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक विशाल सिनेमाई इवेंट की शुरुआत का संकेत है। अपने दमदार लाइनअप और नई सोच के साथ, अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा में स्टारडम की परिभाषा को लगातार बदल रहे हैं। अगर जन्मदिन सरप्राइज के लिए जाने जाते हैं, तो अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन को एक ऐसे वार्षिक उत्सव में बदल दिया है, जिसका इंतजार दुनियाभर के फैंस हर साल करते हैं।